page 1 and 8 may 28_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/27/2026 11:57 PM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ प्रशासन की अपील-स्वयं जनगणना के लिए अब केवल 4 दिन शेष

5 मनसुख मांडविया ने पहली वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप का अनावरण किया

8 गौपालक है भाग्यशाली किसान

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 40

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-128 | जम्मू तवी, वीरवार 28 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल ने 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की प्रगति की समीक्षा की

नशा पीड़ितों के पुनर्वास उपायों की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।

श्रीनगर, 27 मई। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय नार्को-टेरर तंत्र के खिलाफ कार्रवाई को और तेज करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस और यूटी प्रशासन को निर्देश दिए। उपराज्यपाल श्रीनगर स्थित लोक भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव अतल डुल्लू, डीजीपी नलिन प्रभात, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त विभाग शैलेंद्र कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव लोक निर्माण (आर एंड बी) विभाग अनिल कुमार सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव बिजली विकास विभाग अश्विनी कुमार, प्रधान सचिव गृह विभाग चंद्राकर भारती, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी, आयुक्त/सचिव स्कूल शिक्षा विभाग राम निवास शर्मा, आयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा एम. राजू, आयुक्त सचिव उद्योग एवं वाणिज्य विक्रमजीत सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिक मजबूत एंटी-ड्रग तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने पुलिस महानिदेशक को अतिरिक्त जनशक्ति तैनात कर एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

नशा पीड़ितों के पुनर्वास उपायों की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा ताकि उचित काउंसलिंग और उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने परित्यक्त इमारतों और नदी किनारों जैसे संवेदनशील स्थानों की पहचान कर उनकी निगरानी करने के निर्देश भी दिए, ताकि इनका उपयोग मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों के लिए न हो सके। उपराज्यपाल ने बड़े ड्रग तस्करों की सार्वजनिक पहचान उजागर करने पर भी जोर दिया, ताकि मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों पर रोक लगाई जा सके और लोगों में जागरूकता बढ़े। उन्होंने स्कूल और उच्च शिक्षा विभागों को युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल प्रतियोगिताएं और युवा सहभागिता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

जम्मू कश्मीर में ईद-उल-अजहा की नमाज बड़े धार्मिक उत्साह और अकीदत के साथ अदा की गई

बारामुला, 27 मई । पूरे जम्मू कश्मीर सहित बारामूला के ईदगाह कदीम शेरी खास में बुधवार को ईद-उल-अजहा की नमाज बड़े धार्मिक उत्साह और अकीदत के साथ अदा की गई, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। ईदगाह कदीम को बारामूला का सबसे बड़ा ईदगाह माना जाता है, जहां हर साल बड़ी संख्या में लोग ईद की नमाज़ अदा करने पहुंचते हैं।

इस अवसर पर मौलाना तारिक अहमद नापा साहिब ने ईद की नमाज़ अदा कराई और लोगों को ईद-उल-अज़हा की अहमियत, कुर्बानी, भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया। बारामूला में सबसे बड़ी ईद की तकरीब ईदगाह कदीम में हुई, जहां नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश की। बच्चों में भी ईद को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और वे खुशी से झूमते नजर आए। पूरा माहौल भाईचारे, मोहब्बत और खुशियों से सराबोर नजर आया।

जम्मू के रेजिडेंसी रोड में आज सुबह ईद उल अधा की नमाज अदा की गई और सबको गले लगा कर ईद की मुबारक दी गई। कश्मीर भर की ईदगाहों और मस्जिदों में हज़ारों लोग ईद-उल-अज़हा की नमाज़ अदा करने के लिए जमा हुए। इस दौरान भक्ति, अपनापन और जश्न का माहौल था। कश्मीर भर में बड़ी-बड़ी जमातें देखने को मिलीं, जहां नमाज़ी सुबह-सवेरे से ही ईद की खास नमाज़ में शामिल होने के लिए इकट्ठा होने लगे थे। पूरे ज़िले में नमाज़ और ईद की मुबारकबाद की गूंज सुनाई दे रही थी, क्योंकि हर तबके के लोग इस त्योहार को पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाने के लिए एक साथ आए थे। धार्मिक गुरुओं ने जमातों को संबोधित करते हुए कुरान की आयतें पढ़ीं और ईद-उल-अज़हा की शिक्षाओं पर रोशनी डाली। उन्होंने कुर्बानी, सब्र, दया और सामाजिक ज़िम्मेदारी पर खास ज़ोर दिया। जम्मू-कश्मीर में अमन, खुशहाली और भाईचारे के लिए भी खास दुआएं मांगी गईं। रंग-बिरंगे पारंपरिक कपड़ों में सजे बच्चे अपने परिवारों के साथ ईदगाहों तक गए, जिससे इस मौके का जश्न और भी बढ़ गया। नमाज़ के बाद, दिल को छू लेने वाले नज़ारे देखने को मिले, जब लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाया, ईद की मुबारकबाद दी और खुशी व एकता की मुस्कान बांटी। कई बच्चे खुशी-खुशी अपने दोस्तों और बड़ों को मुबारकबाद देते दिखे, जो इस त्योहार से जुड़ी एकता, प्यार और भाईचारे की भावना को दिखाता है। नमाज़ के बाद स्थानीय रिवाजों के मुताबिक परिवारों ने अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और कब्रिस्तानों का दौरा किया। कई घरों में बाद में ईद-उल-अज़हा की खास कुर्बानी की रस्म अदा की गई और इस तरह उन्होंने शुक्रगुज़ारी, आस्था और एकता की भावना के साथ जश्न को जारी रखा।

खबर संक्षेप

नई दिल्ली-कटड़ा स्पेशल ट्रेन अब परिवर्तित मार्ग से चलेगी

जम्मू,, 27 मई। रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल ट्रेन संख्या 04081/04082 को पूर्ण रूप से निरस्त करने के बजाय परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है।

रेलवे प्रशासन के अनुसार पहले कुछ तिथियों के लिए ट्रेन को रद्द किया गया था लेकिन श्रद्धालुओं और यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसे वैकल्पिक मार्ग से बहाल कर दिया गया। ट्रेन संख्या 04081 नई दिल्ली से 29 मई, 1 जून और 3 जून 2026 को गाजियाबाद, सहारनपुर और अंबाला कैंट मार्ग से कटड़ा जाएगी जबकि वापसी में ट्रेन संख्या 04082 30 मई, 2 जून और 4 जून 2026 को इसी परिवर्तित मार्ग से नई दिल्ली पहुंचेगी। मार्ग परिवर्तन के कारण पानीपत और कुरुक्षेत्र स्टेशनों पर दोनों ट्रेनों का ठहराव नहीं होगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जम्मू उचित सिंघल ने कहा कि यात्री सुविधा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और श्रद्धालुओं को असुविधा से बचाने के लिए यह फैसला लिया गया है।

रेल सेवा से अब तक 43 टन चेरी देशभर के बाजारों तक पहुंचाई गई

जम्मू, 27 मई । जम्मू-कश्मीर में चेरी सीजन के दौरान भारतीय रेल बागवानों और व्यापारियों के लिए तेज एवं भरोसेमंद परिवहन माध्यम बनकर उभरी है। अब तक लगभग 43 टन ताज़ा चेरी रेल सेवा के माध्यम से देश के विभिन्न प्रमुख बाजारों तक भेजी जा चुकी है। रेलवे पार्सल सेवा के जरिए ट्रेन संख्या 12472, 12474, 12476, 12920 और 19028 की एसएलआर तथा पार्सल वैन के माध्यम से चेरी की खेप सूरत, बांद्रा, भोपाल और छायापुरी (वडोदरा) सहित कई स्टेशनों तक पहुंचाई गई।

रेल सेवा के कारण चेरी कम समय में सुरक्षित तरीके से गंतव्य तक पहुंच रही है जिससे किसानों और व्यापारियों को बेहतर दाम मिल रहे हैं।

छोटे और बड़े व्यापारी अपनी जरूरत के अनुसार आसानी से बुकिंग कर पा रहे हैं जबकि बागवान सड़क परिवहन की अनिश्चितताओं से बचकर सीधे बड़े बाजारों तक अपना उत्पाद भेज रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने भार्गी-कुनन सड़क हादसे की जांच के आदेश दिए, दो इंजीनियर निलंबित

श्रीनगर, 27 मई। जम्मू-कश्मीर सरकार ने डोडा जिले के गंडोह ब्लॉक में भार्गी से कुनन सड़क निर्माण कार्य के दौरान हुए दुखद हादसे की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की है।

सरकारी आदेश संख्या 184-पीडब्ल्यू(आर एंड बी) ऑफ 2026 दिनांक 26 मई के अनुसार, लोक निर्माण (आर एंड बी) विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ (सचिव तकनीकी) इंजीनियर पुरुषोत्तम कुमार को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। वह सड़क मार्ग पर 6 मीटर स्पैन के कल्वर्ट निर्माण से जुड़े हादसे की जांच करेंगे।

सरकार ने जांच अधिकारी को आदेश जारी होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

इस बीच, संबंधित अधिकारियों के आचरण की जांच पूरी होने तक सरकार ने दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

निलंबित अधिकारियों में प्रभारी सहायक कार्यकारी अभियंता इंजीनियर नवीन कुमार तथा पीएमजीएसवाई डिवीजन ठाठरी, सब-डिवीजन गंडोह के जूनियर इंजीनियर इंजीनियर इम्तियाज अहमद शाह शामिल हैं।

आदेश में यह भी कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान दोनों अधिकारी मुख्य अभियंता पीएमजीएसवाई जम्मू के कार्यालय से संबद्ध रहेंगे और नियमों के अनुसार उन्हें निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

यह आदेश वित्तीय आयुक्त (अतिरिक्त मुख्य सचिव), लोक निर्माण (आर एंड बी) विभाग, अनिल कुमार सिंह आईएएस द्वारा जारी किया गया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के भीतर सभी अवैध ढांचे गिराए जाएं : अमित शाह

नई दिल्ली, 27 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को देश की सीमाओं से 15 किलोमीटर के दायरे में बने सभी अवैध निर्माणों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति सख्ती से लागू करने और वर्षों से बने ऐसे सभी ढांचों को ध्वस्त करने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, गृह मंत्रालय ने सीमा क्षेत्रों में सभी बैंकों द्वारा बैंकिंग लेनदेन की कानूनी और वित्तीय अनुपालना सुनिश्चित करने, बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों का सत्यापन करने, उनके वित्तीय स्रोतों की जांच करने, म्यूल अकाउंट्स और फर्जी कंपनियों पर नजर रखने, फर्जी आधार कार्डों की पहचान करने तथा सीमा पार तस्करी पर नियंत्रण रखने की अतिरिक्त जिम्मेदारी जिला मजिस्ट्रेटों को सौंपी है।

मंगलवार को बीकानेर में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अमित शाह ने भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे राजस्थान के सीमावर्ती जिलों से जुड़े सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा की।

बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राज्य के वरिष्ठ अधिकारी तथा पांच सीमावर्ती जिलों — बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और फलोदी — के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।

गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि सीमा जिलों को अपराध और नशे के नेटवर्क, उनके स्रोतों और कार्यप्रणाली का गहन अध्ययन करने तथा स्थायी समाधान विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी समस्याएं दोबारा उत्पन्न न हों।

अमित शाह ने प्रत्येक सीमावर्ती जिले के लिए नागरिकों, राज्य मशीनरी और सुरक्षा एजेंसियों की भागीदारी के साथ 360 डिग्री सुरक्षा कवच तैयार करने पर जोर दिया।

पुलिस ने ड्रग तस्कर को लिया हिरासत में,हेरोइन बरामद

रियासी, 27 मई । पुलिस स्टेशन रियासी को विश्वसनीय जानकारी मिली कि एक व्यक्ति मोहम्मद तारिक पुत्र गुलाम मोहम्मद निवासी जीज ठकराकोट, रियासी लाल रंग की वैगन-आर कार पंजीकरण संख्या जेके20-8180 में रियासी से बड़ा पत्थर मारी के पास ज्योतिपुरम रोड की ओर यात्रा कर रहा है और गलत लाभ के लिए आसपास के क्षेत्र में अज्ञात व्यक्तियों को आपूर्ति करने के लिए हेरोइन ले जा रहा है।

सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए रियासी थाना पुलिस ने धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत एफआईआर संख्या 93/2026 दर्ज की और मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान आरोपी के कब्जे से लगभग 16.67 ग्राम हेरोइन बरामद हुई जिसे बाद में हिरासत में ले लिया गया।

नई दिल्ली में 28-29 मई को राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन, खरीफ सीजन के लिए राज्यों के साथ बनेगा ठोस रोडमैप

नई दिल्ली, 27 मई। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 28 और 29 मई को नई दिल्ली स्थित एनएएएसी कॉम्प्लेक्स, पूसा में नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एग्रीकल्चर फॉर खरीफ कैंपेन 2026 का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन खरीफ सीजन की तैयारी, राज्यों के साथ समन्वय और किसान-केंद्रित नीति क्रियान्वयन को नई मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच बनेगा। सम्मेलन में दलहन, तिलहन, बागवानी, बीज, प्राकृतिक खेती, जलवायु-सहिष्णु कृषि, कृषि ऋण, फसल बीमा, डिजिटल एग्रीकल्चर और राज्यों के अनुभवों पर विस्तृत विचार-विमर्श होगा। अनेक राज्यों के कृषि मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि केंद्र सरकार खरीफ 2026 को केवल मौसमी अभियान के रूप में नहीं बल्कि उत्पादन वृद्धि, फसल विविधीकरण, जलवायु-सहिष्णु कृषि, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और किसान समृद्धि से जुड़े व्यापक राष्ट्रीय एजेंडे के रूप में देख रही है।

सम्मेलन में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा प्राकृतिक खेती पर विशेष संबोधन भी प्रस्तावित है।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों की बुलाई बैठक

नई दिल्ली, 27 मई। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों की शुक्रवार को एक बैठक बुलाई है, जिसमें बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन, कृषि और एमएसएमई क्षेत्र को कर्ज प्रवाह की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को दी जानकारी में बताया कि यह बैठक शुक्रवार, 29 मई को होगी। इसकी अध्यक्षता वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू करेंगे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किए जाने के बाद ये पहली समीक्षा बैठक होगी। यह बैठक उनके सेवानिवृत्त होने से एक दिन पहले हो रही है।

मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के कामकाज और उनके वित्तीय प्रदर्शन पर भी चर्चा होगी। साथ ही, कृत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग, डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों और 'जन समर्थ' पोर्टल की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा बैठक में कर्ज वसूली व्यवस्था और ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) तथा 'वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम' (सरफेसी) अधिनियम के तहत प्रगति पर भी विचार किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में लगातार चौथे वर्ष लाभ कमाते हुए अबतक का सर्वाधिक 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

एलजी विनय सक्सेना ने लद्दाख में मौसमी जल संकट से निपटने के लिए 'सिंधु जल समृद्धि अभियान' शुरू किया

परियोजना के तहत लेह में सिंधु नदी पर देश का पहला रॉक चेक डैम स्थापित

रॉक चेक डैम से सिंचाई को मिलेगा बढ़ावा, ऊंचाई वाले गांवों में जल सुरक्षा होगी मजबूत

लेह, 27 मई। लद्दाख में दीर्घकालिक जल और कृषि स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देश के पहले अभिनव रॉक चेक डैम का आज उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने लेह के उशी क्षेत्र में उद्घाटन किया।

सिंधु नदी पर लेह से 44 किलोमीटर दूर और समुद्र तल से 11,400 फीट की ऊंचाई पर बने इस रॉक चेक डैम की परिकल्पना उपराज्यपाल श्री सक्सेना ने लद्दाख के जल संकट के लिए पर्यावरण अनुकूल, किफायती और स्थायी समाधान के रूप में की है।

इस रॉक चेक डैम का निर्माण नदी तल और आसपास के क्षेत्रों से प्राप्त बड़े पत्थरों का उपयोग कर किया गया है, ताकि नदी के पानी को रोका जा सके। उपराज्यपाल ने इस परियोजना का नाम सिंधु जल समृद्धि अभियान (एसजेएसए) रखा है। इस अभियान का उद्देश्य नदी के विशेष स्थानों, खासकर संकरे हिस्सों में रॉक चेक डैम बनाकर जल स्तर बढ़ाना है, जहां नदी के पानी का उपयोग करना अपेक्षाकृत आसान और प्रभावी हो।

चेक डैम के स्थान का चयन गांववासियों और स्थानीय लोगों से परामर्श के बाद किया जाता है। उपराज्यपाल ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को एक माह के भीतर प्रायोगिक आधार पर ऐसे तीन और चेक डैम बनाने के निर्देश दिए हैं। लद्दाख के कई हिस्सों में सिंधु नदी का जल स्तर बहुत कम हो जाता है, जिससे सामान्य मोटर और पंप नदी से पानी उठाकर ऊंचाई वाले खेतों तक पहुंचाने में विफल रहते हैं। ऐसे में ये रॉक चेक डैम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इनसे बड़े जल भंडारण क्षेत्र का निर्माण होगा, जिसमें बुवाई के चरम मौसम के दौरान पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा। चूंकि निर्माण में उपयोग किए गए पत्थर सीधे नदी तल से लिए गए हैं, इसलिए इसमें सीमेंट या कंक्रीट का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इससे यह परियोजना पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल बन गई है।उपराज्यपाल ने कहा कि सिंधु जल समृद्धि अभियान सिंचाई सुविधाओं में सुधार, जल सुरक्षा को मजबूत करने और दूरदराज गांवों में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, प्रोजेक्ट हिम सरोवर की सफलता के बाद यह लद्दाख में दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक और अभिनव एवं पर्यावरण अनुकूल पहल है। रॉक चेक डैम को लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी को सुरक्षित रखते हुए टिकाऊ जल और कृषि सुरक्षा के मॉडल के रूप में तैयार किया गया है। इस पहल को गांववासियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। सीमेंट-कंक्रीट से बने पारंपरिक चेक डैमों के विपरीत, रॉक चेक डैम नदी चैनल पर बनाया गया एक अर्ध-स्थायी अवरोध है। यह पानी के प्रवाह की गति को कम करता है और पीछे बड़े जल भंडारण क्षेत्र का निर्माण करता है, जबकि अतिरिक्त पानी को बहने देता है। इससे झरने जैसा प्रभाव पैदा होता है और नदी में ऑक्सीकरण बढ़ता है।

वन अधिकार अधिनियम के उल्लंघन की जांच के लिए दो अलग-अलग जांच समितियां गठित की गई हैं : जावेद राणा

जम्मू 27 मई । जम्मू और कश्मीर के वन मंत्री जावेद राणा ने बुधवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाकों में वन क्षेत्रों में हाल ही में चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और कहा कि वन अधिकार अधिनियम के उल्लंघन की जांच के लिए दो अलग-अलग जांच समितियां गठित की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और वन विभाग की टीमों ने मंगलवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में निचली शिवालिक पर्वतमाला के रायका बांदी वन क्षेत्र में एक बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जिसमें 30 से अधिक ढांचों को ध्वस्त कर कई करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 60 कनाल वन भूमि को पुन: प्राप्त किया गया।

राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्देश पर जांच का आदेश दिया गया है और उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी प्रकार की ज्यादती के लिए जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राणा ने जम्मू मे पत्रकारों से कहा कि पहली बार आपके द्वारा झेली गई कठिनाइयों के

संबंध में एक जांच आयोग का गठन किया गया है। इससे पहले ऐसा कोई जांच आयोग कभी गठित नहीं किया गया था।

मंत्री ने कहा कि आदिवासी मामलों के विभाग के अंतर्गत एक समिति का गठन किया गया है जो आदिवासी और वनवासियों के अधिकारों के उल्लंघन की जांच करेग जबकि वन विभाग के अंतर्गत एक अन्य जांच का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि आपके विरुद्ध अत्याचार करने वालों को कानून के कटघरे में लाया जाएगा। यदि उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो जिम्मेदार लोगों को परिणाम भुगतने होंगे - चाहे वे कितने भी शक्तिशाली या वरिष्ठ क्यों न हों।

राणा ने कहा कि जांच से यह पता चलेगा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन विध्वंस अभियान चलाने से पहले किया गया था या नहीं। उन्होंने कहा कि जांच इस बात की पड़ताल कर रही है कि उल्लंघन कहां हुए, इसके लिए जिम्मेदार लोग कौन हैं और यदि ये लोग वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आते हैं तो उन्हें अब तक उनके अधिकार क्यों नहीं दिए गए।

राणा ने दावा किया कि कई वरिष्ठ अधिकारियों, विभागों और लोक भवन ने शुरू में विध्वंस अभियान के बारे में अनभिज्ञता जताई थी। उन्होंने कहा कि घटना के सामने आने के बाद उन्होंने प्रशासन, वन विभाग और यहां तक कि लोक भवन से भी जानकारी मांगी थी। उन्होंने कहा कि जब मैंने अपने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी लेने की कोशिश की तो मुझे बताया गया कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। जब मैंने लोक भवन को फोन किया तो वहां से भी मुझे यही सूचना मिली कि उन्हें भी इसकी कोई जानकारी नहीं है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

आंखें हैं अनमोल, इन्हें दें खास केयर

आंखें बहुत अनमोल होती है। आंखों से हम प्राकृतिक नजारों का मज़ा लेते हैं। इसलिए इनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। अगर हम इनकी अच्छे से केयर करें तो काफी हद तक आंखों की परेशानियों से निजात पाई जा सकती है। अच्छा खान-पान,विटामिन-ए युक्त आहार और कुछ अन्य बातों का ध्यान रखकर हम अपनी आंखों की सुंदरता बरकरार रख सकते हैं। आज हम आपको ऐसे टिप्स बताते हैं जिसकी मदद से आप अपनी आंखों की अच्छे से देखभाल कर सकते हैं।

1. **आंखों की सफाई**

आंखों को स्वस्थ रखने के लिए इनकी सफाई रखना बहुत जरूरी है। कई बार आंखों में जलन, खुजली, पानी आना, आंखों का लाल होना जैसी समस्या भी आ सकती है। इसके लिए आप आंखों को दिन में 3-4 बार ठंडे पानी से अच्छीं तरह से धोएं।

2. पौष्टिक भोजन अपने आहार में विटामिन -ए , प्रोटीन वाले भोजन शामिल करें जैसे दूध, पनीर, मक्खन,अंडे,फल शामिल करें।

3. खाली पेट पानी पीएं

सुबह उठकर पानी पीने से शरीर में से विषैले तत्व बाहर निकल जाते है। दिन में 8-9 गिलास पानी-पीना आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

4. अच्छी नींद डाक्टरों के अनुसार दिन में 8 घंटे की नींद लेना बहुत जरूरी है। इससे आंखों को आराम मिलता है और काले घेरे भी कम हो जाते है।

5. कंप्यूटर से उचित दूरी

कंप्यूटर पर काम करते वक्त स्क्रीन से दूरी बनाएं रखें। लगातार आंखे गडाकर न बैठे बीच-बीच में इन्हे थोडा आराम भी दें। कंप्यूटर पर काम करते समय अपनी कुर्सी को कंप्यूटर की ऊंचाई के हिसाब से रखें।

6. आंखों का चेकअप

अगर आपको देखने में परेशानी हो रही है या सिर में दर्द होता है तो आपनी आंखों का चेकअप जरूर करवाएं। खासकर डायबिटीज के रोगियों को समय-समय पर आंखों का चेकअप जरूर करवाना चाहिए।

7. अच्छी क्वालिटी का मेकअप

आंखों पर हमेशा बढिया क्वालिटी का ही मेकअप यूज करें। काजल और शैडो का कम से कम इस्तेमाल करें। रात को सोने से पहले आंखों का मेकअप जरूर हटाएं।

8. चश्में का करें इस्तेमाल

आंखों में थकान होने पर गुलाब जल में रूई भिगोकर आंखों पर रखने से आंखों को राहत मिलती है। धूप में घर से बाहर जाते समय सूरज की तेज किरणो से बचने के लिए आंखो पर चश्मे जरूर लगाएं।

चेहरे को बेदाग बनाने के लिए आसान और घरेलू नुस्खे

बेदाग चेहरा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है लेकिन कई बार धूल-मिट्टी की वजह से चेहरे की चमक गायब हो जाती हैं। दरअसल, धूल-मिट्टी हमारे चेहरे के रोम छिद्रों में फंस जाती है जो बाद में ब्लैकहेडस के रूप में हमारे सामने आते हैं। भद्दे दिखाई देने वाले इन ब्लैकहेडस से ज्यादातर परेशानी टीनएजर लड़के-लड़कियों को होती है। इससे छुटकारा पाने के लिए वे महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन प्रॉडक्ट्स में कैमिकल्स काफी मात्रा में होते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं इसलिए बेहतर होगा अगर इसका उपचार घरेलू नुस्खों से किया जाए। इससे न केवल ब्लैकहैड्स दूर होंगे बल्कि स्किन भी ग्लोइंग दिखेगी।

-बेकिंग सोडा चेहरे से ब्लैकहेड्स दूर करने का एक कारगार तरीका है। यह रोम छिद्रों में जमी गंदगी को बाहर कर चेहरे को पूरी तरह से साफ करता है। -दालचीनी और हल्दी को नींबू के रस में मिलाकर चेहरे पर लगाने से भी ब्लैकहेड्स दूर किए जा सकते हैं। -ओट मील और दही के मिश्रण को चेहरे पर लगाने से जिद्दी ब्लैकहैड्स भी दूर हो जाते हैं।

- नींबू का रस त्वचा की टैनिंग और दाग-धब्बों को हटाने में बेहद असरदार है। इससे ब्लैकहैड्स भी आसानी से निकल जाते हैं। -ग्रीन टी पीने और इसका पैक चेहरे पर लगाने से ब्लैकहैड्स पूरी तरह से साफ हो जाते हैं। -शहद ड्राई स्कि?न को नमी तो देता ही है, इसी के साथ वह ब्लैकहैड्स को खत्म करके पोर्स में कसावट भी लाता है, जिससे चेहरा ग्लोइंग नजर आता है।

गर्मियों में मेकअप करने के लिए अपनाएं ये 6 टिप्स

गर्मियों के मौसम में हमें अपनी त्वचा का खास ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में हमें अपनी त्वचा के हिसाब से ही मैच करता हुआ मेकअप करना होता है ताकि हमारा मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहें और खराब न हो। ऐसे मौसम में हमे अपनी स्किन को सॉफ्ट, लाइट और शाइनी रखने के लिए वाटरप्रूफ और लाइट मेकअप का ही इस्तेमाल करना चाहिए। ज्यादा गर्मी में लड़कियां ग्लैमरस लुक पाने के लिए सन प्रोटैक्शन मेकअप व नैचुरल लुक का मेकअप ही पसंद करती हैं। यह मेकअप हमारे चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल्स को होने से बचातें हैं। आज हम आपको गर्मियों में मेकअप करने के लिए आसान से टिप्स बताएगें। तो आइए जानते हैं...

- अगर आपका रंग सांवला है तो आप मेकअप में डीप यलो या रिच गोल्डन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल करें।

- फेयर कॉम्प्लेक्शन वालों को नैचुरल लुक पाने के लिए टिंटेड मॉइश्चराइजर का ही प्रयोग करना चाहिए।

- गर्मियों के मौसम में कम से कम मेकअप करें और बालों की क्लीन और अच्छी लुक पाने के लिए पीछे की ओर ही रखें। - अगर आपके पास आंखों का मेकअप करने के लिए समय कम है तो ब्राउन आईशैडो का डार्क शेड ही लगाएं और ब्रश की सहायता से अपने आईलिड पर काफी सारा मस्कारा लगाएं। इसी तरह से आप आंखों में काजल लगा लें।

- अगर आप गर्मियों के मौसम में किसी पार्टी में जा रही है तो लाइट मेकअप करें। लाइट मेकअप मे काजल, ब्लश ऑन और न्यूड लिप्स आपको हॉट लुक देंते हैं।

- सिंपल लुक के लिए आप अपने चेहरे पर स्किन टोन से मैच करता हुआ फाउंडेशन लगाएं औप बाद में इसे ठीक करने के लिए थोड़ा सा पाउडर लगाएं। आप अपनी चिक्स पर पीच शेड का ब्लशर और होठों पर पीच या पिंक शेड की लिपस्टिक ही लगाएं। - कॉलेज जाने वाली लड़कियां आईशैडो का इस्तेमाल न करें। वह आंखों पर पतला सा आईलाइनर और मस्कारा लगाएं। यह आपकी आंखों की धूप में सुरक्षा करता है।

सुंदरता बढ़ाए हर्बल बाथ

आज हमारी लाइफ इतनी ज्यादा भाग-दौड़ वाली एवं अव्यवस्थित होती जा रही है कि त्वचा की ताजगी एवं चेहरे की खूबसूरती कहीं खोने लगी है। ऐसे में यदि आप हर्बल बाथ अर्थात शाही स्नान करें तो आप को अद्भुत तरो-ताजगी तो महसूस होगी ही, साथ ही बेमिसाल खूबसूरती भी मिलेगी।

क्लियोपेट्रा बॉडी पॉलिशिंग

इतिहास की सब से खूबसूरत महिलाओं में शुमार मिस्र की महारानी क्लियोपेट्रा हमेशा खूबसूरत बने रहने के लिए दूध से स्नान किया करती थी। हालांकि यहां क्लियोपेट्रो बॉडी मसाज का अर्थ बॉडी पॉलीशिंग से है, जिस में दूध का भी इस्तेमाल किया जाता है। इस में अनेक प्राकृतिक एवं हर्बल तत्वों को मिश्रित कर मलमल के कपड़े की एक पोटली तैयार की जाती है, फिर उसे गुनगुने गाढ़े दूध में डिप कर के बॉडी मसाज दी जाती है। इस प्रकार की मसाज से बॉडी की डैड स्किन निकल जाती है, टैनिंग रिमूव हो जाती है तथा त्वचा में **कोमलता एवं निखार आता है।**

रॉयल थाई मसाज रॉयल थाई मसाज तेलों के बगैर होने वाला ड्राई मसाज है। इस मसाज में हथेली, कुहनी और पैर से दाब लगाते हैं। रॉयल थाई मसाज में हर्बल चीजों की पोटली से मालिश की जाती है। यदि किसी को तेल से एलर्जी हो तो वह भी इस ड्राई मसाज का लाभ उठा सकता है।

हर्बल मिल्क बाथ बॉडी मसाज कराने के बाद मिल्क बाथ लेना भी जरूरी है। यह बाथ भी शारीरिक थकान, दर्द एवं टैनिंग तो रिमूव करेगा ही, साथ ही पूरे शरीर की त्वचा भी निखर जाएगी। यह ठंडक का भी एहसास कराता है।

4 लीटर दूध में चुटकी भर पिसी कच्ची हल्दी, 2 छोटे चम्मच मुलैठी पाऊडर, थोड़ा-सा अमलतास, आधा छोटा चम्मच सल्फर,आधा चम्मच सरेवा, थोड़ी गुलाब की पंखुडियां, 2 चम्मच गुलाब जल एवं 1 चम्मच लाल चंदन, इन सब को दूध में डाल कर तब तक उबालें, जब तक कि दूध दो-अढ़ाई लीटर न रह जाए। अब इस मिश्रण को लोटे में डाल कर फ्रैश गुलाब की पंखुडियां मिला कर बादाम ऑयल शरीर पर लगाने के बाद धार बनाती हुई डालती जाएं और दूसरे हाथ से मसाज भी देती जाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जम्मू के छात्रों ने एसओएफ इंटरनेशनल ओलंपियाड 2025-26 में लहराया परचम

जम्मू, 27 मई 2026। जम्मू के छात्रों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन करते हुए विज्ञान ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) परीक्षाओं 2025-26 में बेहतरीन उपलब्धियां हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। इस वर्ष आयोजित एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिनमें जम्मू के 24 हजार से अधिक छात्र भी शामिल थे।

शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों में दून इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 4 के छात्र मोहम्मद इबाद बिन रफीक ने इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड (आईजीकेओ), हेरिटेज स्कूल की कक्षा 1 की छात्रा अनाहिता महाजन ने इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड (आईईओ) तथा जोधामल पब्लिक स्कूल की कक्षा 2 की छात्रा अन्विका महाजन ने नेशनल साइंस ओलंपियाड (एनएसओ) में रैंक 1 हासिल की। इन छात्रों को गोल्ड मेडल और उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रमाणपत्र से सम्मानित किया जाएगा।

इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विज्ञान ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) के संस्थापक एवं निदेशक महाबीर सिंह ने कहा, ‘‘एसओएफ ओलंपियाड 2025-26 युवा प्रतिभाओं को उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करने और उनमें तार्किक सोच विकसित करने का कार्य जारी रखे हुए हैं।

जम्मू के छात्रों का विभिन्न ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन उनकी मेहनत, समर्पण और स्कूलों द्वारा प्रदान की गई मजबूत शैक्षणिक नींव को दर्शाता है। हम छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को उनकी निरंतर उत्कृष्टता के लिए बधाई देते हैं।’’

विज्ञान ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) एक शैक्षणिक संगठन है, जो विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगी भावना विकसित करने और अकादमिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का कार्य करता है। एसओएफ विभिन्न ओलंपियाड परीक्षाएं आयोजित करता है, जिनमें एसओएफ इंटरनेशनल कंप्यूटर साइंस ओलंपियाड, एसओएफ इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड (पूर्व में एनएसओ), एसओएफ इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड, एसओएफ इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड, एसओएफ इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड, एसओएफ इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड, एसओएफ इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड और एसओएफ इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड शामिल हैं।

ये परीक्षाएं छात्रों को कक्षा की पढ़ाई से आगे बढ़कर अपनी अवधारणात्मक समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता और समस्या समाधान कौशल को परखने के लिए वैश्विक मंच प्रदान करती हैं।

पुंछ में ईद उल अजहा सांप्रदायिक सद्भाव के साथ मनाई गई

पुंछ, 27 मई (हि.स.)। पूंछ जिले में ईद-उल-अज़हा को धार्मिक उत्साह, उमंग और सांप्रदायिक सद्भाव के साथ मनाया गया। ईद-उल-अज़हा के शुभ अवसर पर पुंछ उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा और पूंछ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शफकत हुसैन भट, पुलिस और नागरिक प्रशासन के अधिकारियों, धार्मिक नेताओं, प्रमुख नागरिकों और आम जनता के साथ ईदगाह में उत्सव में भाग लेने और सभी को ईद की शुभकामनाएं देने के लिए एकत्रित हुए।

गणमान्य व्यक्तियों ने लोगों से बातचीत की और ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उपस्थित लोगों में मिठाइयाँ वितरित की गईं जो भाईचारे, प्रेम और एकता की भावना का प्रतीक थीं। ईदगाह का वातावरण सांप्रदायिक सद्भाव और एकजुटता को दर्शाता रहा था, क्योंकि लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाया और खुशी और उल्लास के साथ त्योहार मनाया।

ईदगाह में विशेष ईद की नमाज अदा की गई जिसमें पुंछ जिले के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रद्धापूर्वक शामिल हुए। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी और समाज की समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

पुंछ के उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा और एसएसपी पुंछ शफकत हुसैन भट ने लोगों को ईद-उल-अज़हा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और जिले में स्थायी शांति, सांप्रदायिक सद्भाव और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने उत्सव के दौरान लोगों द्वारा प्रदर्शित एकता और भाईचारे की भावना की सराहना भी की।

यह त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हुआ और लोगों ने आपसी सम्मान, सद्भाव और खुशी की भावना से इस अवसर को मनाया।

कठुआ प्रशासन की अपील-स्वयं जनगणना के लिए अब केवल 4 दिन शेष

कठुआ, 27 मई (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ ने लोगों से अपील की है कि वे जनगणना 2027 के तहत चल रही स्वयं गणना प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। प्रशासन के अनुसार यह डिजिटल सुविधा 17 मई से 31 मई 2026 तक उपलब्ध है और अब इसे पूरा करने के लिए केवल 4 दिन शेष रह गए हैं।

प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे घर बैठे आसान चरणों में अपनी स्वयं गणना पूर्ण करें और इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सहयोग दें। अधिकारियों का कहना है कि सटीक और पूर्ण जनगणना से ही जिले के विकास की सही योजना बनाना संभव हो पाता है। जिला प्रशासन ने अपने संदेश में कहा कि ‘‘सही गणना, सशक्त कठुआ, आपका सहयोग हमारा संकल्प। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते अपनी जानकारी दर्ज कर इस अभियान को सफल बनाएं

संदिग्ध बैंक लेनदेन का मामला-दंपति हिरासत में, 20 लाख रुपये की ट्रांजैक्शन की जांच जारी

कठुआ, 27 मई (हि.स.)। जिला कठुआ में संदिग्ध बैंक लेनदेन के एक मामले में पुलिस ने एक दंपति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार निहालपुर क्षेत्र से राहुल खान और उनकी पत्नी सपना को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों के बैंक खातों में लगभग 20 लाख रुपये के लेनदेन की जांच की जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक यह दंपति मूल रूप से जम्मू के सुजवां क्षेत्र का रहने वाला है लेकिन पिछले कई वर्षों से कठुआ के विभिन्न इलाकों में किराये के मकानों में रह रहा था। राहुल खान पेशे से ड्राइवर बताया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देश पर एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है। जांच के दौरान यह सामने आया है कि राहुल खान के नाम पर करीब 15 बैंक खाते संचालित हो रहे थे जिनमें संदिग्ध लेनदेन पाए गए हैं। पुलिस जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि खातों में आया पैसा विदेश से भेजा गया हो सकता है। साथ ही इस धन को हवाला नेटवर्क और नशे से जुड़े अवैध कारोबार से भी जोड़े जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इन पहलुओं की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दंपति के घर की तलाशी के दौरान विभिन्न बैंकों की पासबुक और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं जिन्हें पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

फिलहाल कठुआ पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और यह भी खंगाला जा रहा है कि कहीं यह मामला किसी बड़े नेटवर्क जैसे कि नार्को तस्करी से जुड़ा तो नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

एसडीएम ने अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई की

जम्मू,, 27 मई (हि.स.)। आरएस पुरा की एसडीएम अनुराधा ठाकुर (जेकेएएस) ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बड्याल ब्राह्मणा के तवी बेल्ट क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। लगातार मिल रही जन शिकायतों के बाद की गई इस कार्रवाई के दौरान अवैध खनन में इस्तेमाल हो रही कई मशीनों और वाहनों को मौके पर जब्त किया गया। इस कार्रवाई के बाद माइनिंग विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

वेदों के ज्ञान से ही सृष्टि और परमात्मा की सही समझ संभव

कठुआ, 27 मई (हि.स.)। वेद मन्दिर योल में चल रहे 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के 46वें दिन स्वामी राम स्वरूप जी ने जिज्ञासुओं को यजुर्वेद अध्याय 31 का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि इस अध्याय में ईश्वर द्वारा सृष्टि रचना का संक्षिप्त ज्ञान दिया गया है। स्वामी जी ने कहा कि वेदों के अनुसार सृष्टि की उत्पत्ति, परमात्मा की शक्ति और प्रकृति के रहस्यों को समझा जा सकता है। उन्होंने व्यास मुनि के योग शास्त्र के एक सूत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि जो व्यक्ति वेदों से सृष्टि रचना का ज्ञान नहीं रखता, उसे सच्चे साधु की संज्ञा नहीं दी जा सकती। उन्होंने आगे कहा कि यदि मनुष्य चारों वेदों का अध्ययन करे तो उसके मन में उठने वाले अनेक संशय समाप्त हो सकते हैं।

नीट पेपर लीक पर फूटा युवाओं का गुस्सा-कठुआ में यूथ कांग्रेस का हल्ला बोल, शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग

कठुआ, 27 मई (हि.स.)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर कठुआ में यूथ कांग्रेस इकाई ने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए युवा कार्यकर्ताओं ने शहर के शहीदी चौक पर एकत्रित होकर केंद्र सरकार के खिलाफ तीखी नारेबाजी की और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई।

प्रदर्शन से पहले यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में रोष मार्च निकाला। मार्च के दौरान युवाओं के हाथों में तख्तियां थीं जिन पर ‘‘शिक्षा प्रणाली बचाओ, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो और शिक्षा मंत्री इस्तीफा दो जैसे नारे लिखे हुए थे। यूथ कांग्रेस के जिला प्रधान साहिल अंडोत्रा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में अभिषेक अंडोत्रा, प्रिंस अंडोत्रा, कार्तिक शर्मा, लव स्लाथिया, हरविंदर सिंह, नीरज चौधरी, विपुल गुप्ता, शोहेब अजय कुमार सहित बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। उन्होंने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा मजाक कर रही है। बार-बार पेपर लीक होना इस बात का प्रमाण है कि सरकार युवाओं के प्रति गंभीर नहीं है।

प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने कहा कि यह कोई पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी कई प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इससे मेहनती छात्रों का मनोबल लगातार गिर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार नौकरी नहीं दे पा रही, कम से कम युवाओं को पढ़ने और ईमानदारी से परीक्षा देने का अवसर तो दे। प्रदर्शनकारियों ने विशेष रूप से उन गरीब छात्रों की पीड़ा को उजागर किया जो दूर-दराज क्षेत्रों से खर्च उठाकर परीक्षा देने आते हैं। उन्होंने कहा कि कई छात्र एक-दो दिन पहले पहुंचते हैं, किराया, रहने और खाने का खर्च उठाते हैं लेकिन पेपर लीक की खबर आने के बाद उनकी सारी मेहनत और पैसा बेकार हो जाता है। इसकी भरपाई कौन करेगा।

एसएसपी कठुआ ने बकरीद पर दीं शुभकामनाएं

कठुआ, 27 मई (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) के पावन अवसर पर जिला कठुआ के लोगों, पुलिस शहीदों के परिवारों तथा सेवारत व सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में उन्होंने सभी के लिए शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे की कामना करते हुए कहा कि यह पर्व समाज में प्रेम, करुणा और एकता की भावना को और मजबूत करे। एसएसपी कठुआ ने साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर जोर देते हुए नागरिकों से अपील की कि वे इस त्योहार को आपसी सम्मान, एकता और भाईचारे के साथ मनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी लोग कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें ताकि पूरे जिले में त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

हमीरपुर पंचायत में 21 लाख का देवत प्लांट शुरू, जसरोटिया ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की ओर बड़ा कदम

कठुआ, 27 मई (हि.स.)। जसरोटा से भाजपा विधायक राजीव जसरोटिया ने पंचायत हमीरपुर में 21 लाख की लागत से निर्मित 15 केएलडी क्षमता वाले देवत (डिसेंट्रलाइज्ड वेस्टवाटर ट्रीटमेंट) प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्लांट घरेलू ग्रे-वॉटर (नहाने, कपड़े धोने आदि का पानी) को वैज्ञानिक तरीके से शुद्ध कर पुन उपयोग के योग्य बनाएगा।

इस परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देना जल प्रदूषण को कम करना और भूजल स्तर को बेहतर बनाना है। इस प्लांट से उपचारित पानी का उपयोग सिंचाई और अन्य गैर-पीने योग्य कार्यों में किया जा सकेगा जिससे ताजे पानी पर दबाव भी कम होगा। उद्घाटन के दौरान विधायक राजीव जसरोटिया ने कहा कि इस तरह की योजनाएं ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस प्लांट के रखरखाव में सहयोग करें और जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि देवत सिस्टम न केवल स्वच्छता सुधारने में मदद करेगा बल्कि लोगों में जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा, जिससे गांवों में साफ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित होगा।

उद्घाटन कार्यक्रम के बाद विधायक ने पंचायत मंगलूर ईस्ट के अंतर्गत लडोली, सौन्थल और लोगेट गांवों का दौरा कर जनसभाएं कीं। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़कों की मरम्मत, बिजली की अनियमित आपूर्ति, सिंचाई सुविधाएं, पेयजल समस्याएं और लंबित विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे उठाए। विधायक ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि जायज मांगों का समाधान चरणबद्ध और समयबद्ध तरीके से किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि उठाए गए मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इस दौरान मंडल प्रधान मुकेश रोनी सहित कई सरपंच और पंच मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने देवत प्लांट की स्थापना और विधायक के जनसंपर्क अभियान की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में सकारात्मक कदम बताया।

पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त से अधिक भंडार उपलब्ध

नई दिल्ली, 27 मई (हि.स.)। केंद्र सरकार का कहना है कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त से अधिक भंडार है और घरेलू और औद्योगिक दोनों जरूरतों को पूरा करने में कोई समस्या नहीं है। देश की 22 चालू रिफाइनरियों की कुल स्थापित क्षमता 2581 लाख टन प्रतिवर्ष है। नागरिकों से अपील की जाती है कि वे अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों, राज्य सरकारों और उद्योग निकायों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं।

हेरोइन के साथ दो व्यक्ति गिरफ्तार

जम्मू, 27 मई (हि.स.)। नशा मुक्त अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने थाना दोमाना के अधिकार क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी की गतिविधियों में शामिल दो व्यक्तियों को गिरफ्तार करके एक और सफलता हासिल की। विश्वसनीय स्रोतों के माध्यम से प्राप्त विशिष्ट जानकारी पर पुलिस स्टेशन दोमाना के एक पुलिस दल ने दो संदिग्ध व्यक्तियों को एक ऑटो के साथ पकड़ा जिस पर पंजीकरण संख्या जे के02डीके-4881 था

संदिग्धों की जाँच और व्यक्तिगत खोज के दौरान उनके कब्जे से लगभग 5 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। अभियुक्तों की पहचान सुधांशु घई पुत्र सतीश चंदर निवासी पटोली मंगोत्रियां, प्रभजोत सिंह पुत्र मोहर सिंह निवासी तहसील गंदोह जिला डोडा, वर्तमान में तालाब तिल्लो जम्मू के रूप में हुई है। इस संबंध में धारा 8/21/22 29 एन. डी. पी. एस. अधिनियम के तहत एफ आई आर संख्या 115/2026 पुलिस स्टेशन दोमाना में दर्ज की गई है और ड्रग नेटवर्क में शामिल पिछले और आगे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

गोदरेज फैक्ट्री विवाद-पूर्व मंत्री चौधरी लाल सिंह ने श्रमिकों को दिया समर्थन

कठुआ, 27 मई (हि.स.)। गोदरेज फैक्ट्री से निकाले गए श्रमिकों के समर्थन में पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता चौधरी लाल सिंह धरना स्थल पर पहुंचे और श्रमिकों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इकाई प्रबंधन ने बिना नोटिस दिए और घाटे का हवाला देकर श्रमिकों को बाहर किया है, वह पूरी तरह गलत है।

चौधरी लाल सिंह ने कहा कि फिलहाल यह मामला अदालत में विचाराधीन है इसलिए श्रमिकों को कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब इकाई प्रबंधन, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन श्रमिकों की बात नहीं सुनते, तब अदालत ही न्याय दिलाने का सबसे बड़ा माध्यम बनती है। उन्होंने श्रमिकों के शांतिपूर्ण धरने को उनका अधिकार बताते हुए कहा कि फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा यह आरोप लगाया जा रहा है कि श्रमिक उनके काम में बाधा डाल रहे हैं जबकि यदि फैक्ट्री घाटे में है और काम बंद है तो बाधा का सवाल ही नहीं उठता। यह केवल श्रमिकों को हटाने का बहाना है।

इस दौरान उनके साथ मौजूद एडवोकेट कीर्ति भूषण ने भी श्रमिकों का पक्ष लेते हुए कहा कि वे इस मामले को अदालत में मजबूती से लड़ेंगे और श्रमिकों को उनका हक दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

इस दौरान उनके साथ मौजूद कांग्रेस जिला प्रधान पंकज डोगरा ने कहा कि केंद्र सरकार ने जब इन औद्योगिक इकाइयों को जम्मू-कश्मीर में स्थापित किया था तब उन्हें भारी सब्सिडी दी गई थी ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सके। लेकिन जैसे ही सब्सिडी समाप्त हुई, अब फैक्ट्री प्रबंधन घाटे का बहाना बनाकर इकाई बंद करने की कोशिश कर रहा है जो कानूनन गलत है। अंत में नेताओं ने श्रमिकों से धैर्य बनाए रखने और न्याय के लिए अदालत के फैसले का इंतजार करने की अपील की।

उपराज्यपाल सक्सेना द्वारा लद्दाख में नशीली दवाओं की लत केंद्रों (डीडीएसी) की स्थिति और कामकाज की समीक्षा

लेह, 27 मई (हि.स.)। लद्दाख में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मामलों में खतरनाक वृद्धि और इसके आसपास बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने आज वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, नागरिक समाज संगठनों के सदस्यों, धार्मिक संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के साथ एक व्यापक बैठक की अध्यक्षता की ताकि लद्दाख में नशीली दवाओं की लत केंद्रों (डीडीएसी) की स्थिति और कामकाज की समीक्षा की जा सके।

हाल के महीनों में लद्दाख में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मामलों में खतरनाक वृद्धि हुई है विशेष रूप से युवाओं, नाबालिगों और यहां तक कि लड़कियों में भी। बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर भी मादक द्रव्यों के सेवन में लिप्त पाए गए हैं। बैठक के दौरान उपराज्यपाल को सूचित किया गया कि एसएनएम अस्पताल, लेह में मनोचिकित्सा ओपीडी ने 237 अनुवर्ती मामलों के साथ 101 नए ओपिओइड से संबंधित मामले, 39 अनुवर्ती मामलों के साथ 25 भांग से संबंधित नए मामले और 40 अनुवर्ती मामलों के साथ 15 पॉलीसब्स्टेंस दुरुपयोग के मामले दर्ज किए हैं। यह भी बताया गया कि मादक द्रव्यों के सेवन के 64 रोगियों में हेपेटाइटिस सी की पुष्टि हुई है।

विचार-विमर्श के दौरान लद्दाख बौद्ध संघ (एल. बी. ए.) की युवा शाखा के अध्यक्ष ने शराब की दुकानों में सख्त शराब की अनुपलब्धता की ओर इशारा किया, जिसके कारण कई लोग तेजी से मादक पदार्थों के दुरुपयोग और मादक पदार्थों की ओर रुख कर रहे थे। उन्होंने उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करने और मौजूदा शराब की दुकानों में सख्त शराब उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। इसके अलावा मनोचिकित्सकों ने उन मामलों पर भी प्रकाश डाला जहां दैनिक शराब के सेवन के आदी व्यक्ति अक्सर लद्दाख में शराब की अनुपस्थिति में हिंसक और प्रलाप जैसे व्यवहार प्रदर्शित करते थे और दवा के लिए प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। इस पर ध्यान देते हुए उपराज्यपाल ने लद्दाख में मौजूदा उत्पाद शुल्क नीति की समीक्षा करने का आश्वासन दिया। स्थिति पर कड़ी नजर रखते हुए उपराज्यपाल सक्सेना ने कई निर्देश जारी किए जिनमें मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला की पहचान करना और उसे समाप्त करना शामिल है। लद्दाख पुलिस नशीली दवाओं के आपूर्तिकर्ताओं और तस्करों के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति अपनाएगी।

क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए जोजी-ला और सरचू सहित लद्दाख में प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर वाहनों की जांच स्थानीय टैक्सियों की तलाशी ली जाएगी। यदि टैक्सी चालक मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त पाए जाते हैं तो वाहन जब्त किए जाएंगे।

स्कूलों, कॉलेजों और पर्यटन स्थलों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर निगरानी।

आपातकालीन हेल्प लाइन संख्या 112 पुनर्वास और उपचार सहायता चाहने वाले माता-पिता और रोगियों के लिए एक एकीकृत हेल्प लाइन के रूप में कार्य करेगी। 112 प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करना,हेल्प लाइन नंबर पर किए गए कॉल का जवाब देने के लिए एक सामाजिक कार्यकर्ता, नर्स और परिचारक सहित समर्पित टीमों का गठन।

ठीक होने वाले रोगियों के लिए कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना ताकि उन्हें समाज में फिर से एकीकृत करने और छुट्टी के बाद स्थायी आजीविका अर्जित करने में मदद मिल सके।

पूरे लद्दाख में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जन जागरूकता अभियान, जून 1 के बाद से शुरू होगा। उपराज्यपाल ने कहा, नशीली दवाओं का खतरा हमारे युवाओं और समाज के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा है। ल

संपादकीय

टूटती सड़कें, टूटते वादे

जम्मू के लोगों के लिए सड़कों पर सफर अब सामान्य दिनचर्या नहीं, बल्कि रोज़ाना की एक मुश्किल बन चुका है। जम्मू शहर के बीचों-बीच से लेकर संभाग के दूरदराज इलाकों तक टूटी सड़कें, गड्ढे, क्षतिग्रस्त गलियां और अधूरे निर्माण कार्य प्रशासनिक लापरवाही के प्रतीक बन चुके हैं। हर साल सरकारें विकास और बुनियादी ढांचे को लेकर बड़े-बड़े दावे करती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन वादों की खोखली सच्चाई को उजागर करती रहती है।

जम्मू शहर की सड़कों की हालत खुद बेहद चिंताजनक है। गांधी नगर, तालाब तिल्लो, जानीपुर, बख्शी नगर और कई व्यस्त बाजारों की मुख्य सड़कें गहरे गड्ढों से भरी पड़ी हैं। बारिश के दौरान ये सड़कें कीचड़ भरे तालाबों में बदल जाती हैं, जिससे पैदल यात्रियों, वाहन चालकों और स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण इलाकों की स्थिति तो और भी बदतर है, जहां टूटी सड़कों ने गांवों को लगभग अलग-थलग कर दिया है और आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

विडंबना यह है कि जम्मू में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं, शहरी विकास और सड़क विस्तार को लेकर बड़े स्तर पर घोषणाएं की गईं। सड़क मरम्मत और ब्लैकटॉपिंग के लिए करोड़ों रुपये मंजूर होने के दावे किए गए, लेकिन यात्री आज भी परेशान हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यह पैसा खर्च कहां हो रहा है? नई बनी सड़कें कुछ ही महीनों में दोबारा क्यों टूट जाती हैं? इन सवालों का जवाब प्रशासन को गंभीरता से देना चाहिए।

घटिया निर्माण कार्य और जवाबदेही की कमी इस संकट की सबसे बड़ी वजह हैं। ठेकेदार निम्न गुणवत्ता वाले काम के बावजूद कार्रवाई से बच जाते हैं, जबकि अधिकारी एक-दूसरे विभागों पर जिम्मेदारी डालकर अपनी जवाबदेही से बच निकलते हैं। ड्रेनेज, पानी की पाइलाइन या केबल बिछाने के लिए बार-बार सड़कें खोदी जाती हैं, लेकिन बाद में उनकी सही तरीके से मरम्मत नहीं की जाती।

इसका परिणाम ट्रैफिक जाम, अव्यवस्था और बढ़ते सड़क हादसों के रूप में सामने आता है।

इसका सबसे बड़ा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए गहरे गड्ढे लगातार खतरा बने हुए हैं, जबकि एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं को टूटी सड़कों के कारण कीमती समय गंवाना पड़ता है।

वाहन मालिकों को सस्पेंशन और टायर खराब होने के कारण भारी खर्च उठाना पड़ रहा है। नागरिकों की जिंदगी आसान बनाने के बजाय जम्मू की सड़कें उनकी रोजमर्रा की परेशानी बढ़ा रही हैं।

सबसे निराशाजनक बात यह है कि दीर्घकालिक योजना का पूरी तरह अभाव दिखाई देता है। प्रशासन केवल वीआईपी दौरों या सोशल मीडिया पर लोगों के आक्रोश के बाद ही सक्रिय नजर आता है।

अस्थायी पैचवर्क को स्थायी समाधान की तरह पेश किया जाता है, जबकि असली समस्या जस की तस बनी रहती है। जम्मू इससे बेहतर का हकदार है। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी और प्रमुख तीर्थ मार्ग होने के नाते शहर को मजबूत और टिकाऊ सड़कों की जरूरत है, न कि केवल दिखावटी मरम्मत की। विकास केवल भाषणों और विज्ञापनों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि वह जमीन पर दिखाई भी देना चाहिए। प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करते हुए सड़क परियोजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए और खराब कार्य के लिए जवाबदेही तय करनी चाहिए। अन्यथा जम्मू की सड़कें विकास की तस्वीर नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बनी रहेंगी।

बेतहाशा बढ़ती गर्मी : भविष्य की गंभीर चेतावनी

– योगेश कुमार गोयल

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं, एक गहराते सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है।

यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना जरूरी है कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता है। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की आशंका होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है।

प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है।

भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अमेरिका-ईरान युद्ध से महंगाई के कारण आमजन प्रभावित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले 1970 के तेल संकट जैसे हालात होने की आशंका न हो या 2008 जैसी वित्तीय मंदी के हालात भी न हो लेकिन एक बात साफ है कि अमेरिका-ईरान के बीच करीब तीन माह से चल रहे युद्ध के दुष्प्रभाव गहराने लगे हैं। चाहे एशिया के हों या यूरोपीय देश, सभी केवल वैश्विक तनाव ही नहीं अपितु ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से बढ़ते दामों को रोकने में विफल रहे हैं। पिछले दस-पन्द्रह दिनों में ही हमारे देश में पेट्रोल-एलपीजी-सीएनजी- पीएनजी के दामों में एक बार नहीं अपितु तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी है। हालांकि वर्तमान हालात में सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। विपक्ष चाहे लाख आरोप लगाये पर अंतरराष्ट्रीय हालात से आंखें नहीं मूंदनी चाहिए। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमजन से आग्रह को भी इसी संदर्भ में सकारात्मकता से लिया जाना चाहिए।

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ईंधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका-ईरान युद्ध न होकर इस युद्ध के कारण हार्मुज वैश्विक संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और यहां तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

यह तो वैकल्पिक उर्जा के रुप में देश में सोलर, विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में पिछले सालों में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से बेहतर काम हुआ है और इसी का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोनिक वाहनों के उपयोग या सोलर एनर्जी के उपयोग पर खुले तौर पर आग्रह करने की स्थिति में है। नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र में देश में तेजी से काम हुआ है और हो रहा है जो एक हद तक संकट को कम करने में सहायक बन रहा है।

आज की दुनिया आइसोलेट दुनिया नहीं है। देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। कहीं से ईंधन के लिए तो कहीं से खाद्यान्न, कहीं दवा, कहीं अन्य किसी वस्तु के लिए निर्भरता बढ़ी है। युद्ध के चलते इंटरनेशनल लॉजिस्टिक सेवाएं प्रभावित हुई है। जहां तक देश की ही बात की जाए तो पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि की कीमत में बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ने लगा है। सीधी-सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लॉजिस्टिक का हो तो उसका सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। इसके साथ ही आयात पर निर्भर वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं।

जहां तक तेल का प्रश्न है, देश में खाद्य तेल और अखाद्य तेल दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

खाद्य तेलों में भी आयात पर निर्भरता अधिक है। लाख प्रयासों के बावजूद तिलहन मिशन से तिलहनों का उत्पादन तो बढ़ा है पर अभी विदेशी निर्भरता बनी हुई ही है। इसी तरह अन्य वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक सेवा क्षेत्र का प्रश्न है, स्वीगी-जोमेटो आदि सेवा प्रदाताओं ने पिछले दिनों अपने दामों में 16 फीसदी से भी अधिक की बढ़ोतरी कर दी है। मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने प्लानों को रिवाइज किया है तो उबेर-ओला जैसे सेवा प्रदाताओं ने किराया बढ़ा दिया है। साफ है कि लॉजिस्टिक लागत बढ़ेगी तो उसका असर सभी वस्तुओं में देखने को मिलेगा। भारत सरकार वेनेजुएला से वैकल्पिक तरीके से कच्चे तेल लाने का प्रयास कर रही है तो अन्य विकल्प भी खोजे जा रहे हैं। लेकिन कच्चे तेल की आपूर्ति जब तक सामान्य नहीं हो जाती तब तक संकट पूरी तरह से समाप्त होने की कल्पना नहीं की जा सकती।

इन वैश्विक हालातों के पीछे अमेरिका-ईरान की हठधर्मिता ही है। अमेरिका-इजराइल ने ईरान से लड़ाई शुरु करते समय रूस-यूक्रेन युद्ध के हालातों से सबक नहीं लिया। रूस के सामने यूक्रेन जैसा देश होने के बावजूद आज तीन साल से भी अधिक समय होने के बावजूद निर्णायक स्तर पर नहीं पहुंचा है। पर अमेरिका ने यह सोचा था कि दो-तीन दिन में ही ईरान को घुटने टिकवा देंगे और यही अमेरिका की नासमझी रही। मानो या न मानो पर वास्तविकता यह है कि आज अमेरिका के सामने अपनी प्रतिष्ठा बनाये रखने का संकट आ गया है और यही कारण है कि अंदरखाने अमेरिका और ट्रंप किसी भी तरह से सीजफायर के लिए प्रयासरत है।

इसमें दो राय नहीं कि युद्ध में नुकसान अमेरिका को अधिक हो रहा है। ईरान तो अपने घर से लड़ रहा है और उसके निशाने पर आसपास के देश हैं। ऐसे में स्टेक अमेरिका-इजराइल का ही हो जाता है। इसके अलावा एक बात और समझनी होगी कि ट्रंप ने राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल में आये दिन तुगलकी फरमान जारी कर दुश्मन ही दुश्मन बनाए हैं। दूसरी ओर ट्रंप ने अमेरिका के ही अधिकांश लोगों का भरोसा खो दिया है। ऐसे में सम्मानजनक सीजफायर ही अमेरिका के लिए इस संकट से निकलने का रास्ता रह गया है और इसके लिए ही अंदरखाने प्रयास जारी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

न्यू इंडिया में मोदी विजन- 12 वर्षों ने बदल दी भारत की दिशा

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में किसी भी सरकार का मूल्यांकन उन निर्णयों से होता है जो आने वाले समय की दिशा तय करते हैं। पिछले 12 वर्षों में भारत ने जिस परिवर्तन को महसूस किया है, उसे सिर्फ राजनीतिक बदलाव कहना पर्याप्त नहीं होगा। वर्ष 2014 से 2026 तक का दौर देश के लिए एक ऐसे परिवर्तनकारी कालखंड के रूप में उभरा है, जिसमें शासन, नीति-निर्माण, अर्थव्यवस्था, तकनीक, सामाजिक सरोकार और वैश्विक कूटनीति यानी कि हर स्तर पर भारत ने नई पहचान बनाई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कई ऐसे साहसिक फैसले लिए, जिन्होंने भारत को उभरती हुई शक्तिसे आगे बढ़ाकर वैश्विक नेतृत्वकर्ताके रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वस्तुत- इन 12 वर्षों की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि सरकार ने घाषित योजनाओं को बड़े स्तर पर जमीन तक पहुंचाने का प्रयास किया। यही कारण है कि आज मोदी सरकार के इस कार्यकाल को कई लोग 卐न्यू इंडियाके निर्माण का निर्णायक दौर मानते हैं।

साल 2016 में लिया गया नोटबंदी का फैसला इस दौर के सबसे चर्चित और साहसिक निर्णयों में शामिल रहा। सरकार ने इसे काले धन, नकली नोटों और आतंक वित्त पोषण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताया। इस फैसले ने भारतीय अर्थव्यवस्था को डिजिटल लेन-देन की दिशा में तेज गति दी। यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान अर्थव्यवस्थाओं में शामिल कर दिया। आज कई देश भारत के डिजिटल पेमेंट मॉडल को अपनाने की इच्छा जता रहे हैं। डिजिटल इंडिया अभियान ने गांव से लेकर महानगर तक तकनीक को आम आदमी की जिंदगी का हिस्सा बना दिया।

इसके बाद वर्ष 2017 में लागू हुआ जीएसटी भारतीय आर्थिक सुधारों का बड़ा अध्याय साबित हुआ। 卐एक राष्ट्र, एक करकी अवधारणा ने पूरे देश को एकीकृत कर बाजार में बदल दिया। पहले जहां अलग-अलग राज्यों और केंद्र के अनेक कर व्यापारियों के लिए जटिलता पैदा करते थे, वहीं जीएसटी ने कर व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया। आज लगातार बढ़ता जीएसटी संग्रह इस बात का संकेत माना जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था औपचारिक और मजबूत हो रही है।

मोदी सरकार के कार्यकाल का सबसे बड़ा राजनीतिक और संवैधानिक फैसला जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने को माना जाता है। दशकों से लंबित इस मुद्दे को हल कर सरकार ने एक देश, एक विधानकी अवधारणा को लागू करने का दावा किया। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया। इसके बाद वहां निवेश, पर्यटन और आधारभूत विकास को नई गति मिलने की बात कही गई। निश्चित ही सरकार का यह फैसला राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता के रूप में आज हमारे सामने है।

सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में तीन तलाक कानून भी एक महत्वपूर्ण कदम रहा। मुस्लिम महिलाओं को तत्काल तीन तलाक से कानूनी सुरक्षा देकर सरकार ने लैंगिक समानता की दिशा में बड़ा संदेश देने का प्रयास किया। इसे महिलाओं के अधिकारों को मजबूत करने वाला निर्णय बताया गया। इसके साथ ही नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए भी मोदी सरकार के प्रमुख फैसलों में शामिल रहा। सरकार ने इसे पड़ोसी देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के लिए मानवीय पहल बताया। इसके जरिए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और ईसाई समुदाय के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का रास्ता खोला गया।

कोविड-19 महामारी के दौरान आत्मनिर्भर भारतअभियान ने सरकार की आर्थिक रणनीति को नई दिशा दी। 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के जरिए स्थानीय उद्योगों, एमएसएमई और विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती देने की कोशिश की गई। 卐मेक इन इंडियाअभियान ने भी इसी दिशा में भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का प्रयास किया। रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश बढ़ा और भारत की भूमिका वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत हुई।

इन 12 वर्षों में वित्तीय समावेशन की दिशा में भी बड़ा बदलाव देखा गया। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत करोड़ों लोगों को पहली बार बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी के माध्यम से सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचने लगा। इससे भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका कम होने का दावा किया गया। विश्व बैंक जैसी संस्थाओं ने भी इस मॉडल की सराहना की।

दूसरी ओर उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने का काम किया। करोड़ों परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन मिलने से धुएं से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं में कमी आई और महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ। इसी तरह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा देने का प्रयास किया।

मोदी सरकार के कार्यकाल में बुनियादी ढांचे के विकास को भी विशेष प्राथमिकता मिली। एक्सप्रेसवे, हाईवे, आधुनिक रेलवे स्टेशन, वंदे भारत ट्रेनें और नए एयरपोर्ट आज 卐विकसित भारतकी नई तस्वीर पेश करते दिखाई देते हैं। 卐उड़ानयोजना ने छोटे शहरों को हवाई सेवा से जोड़ा, जबकि रेलवे और सड़क नेटवर्क के विस्तार ने लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद की।विदेश नीति के मोर्चे पर भी भारत की भूमिका पहले से अधिक प्रभावशाली नजर आई। क्वाड जैसे रणनीतिक समूहों में भारत की भागीदारी मजबूत हुई। 卐वैक्सीन मैत्रीअभियान के जरिए कोविड संकट के दौरान अनेक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराकर भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी सॉफ्ट पावर को बढ़ाया। जी-20 समिट की सफल अध्यक्षता ने भी भारत को विकासशील देशों की मजबूत आवाज के रूप में स्थापित किया। स्वच्छ भारत मिशन ने देश में स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप दिया, जबकि आयुष्मान भारत योजना ने करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराई। जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम सूर्य घर योजना, नमो ड्रोन दीदी और पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं ने ग्रामीण और कमजोर वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया। कुल मिलाकर, यदि केंद्र की मोदी सरकार के पिछले 12 सालों के कार्यकाल को देखा जाए तो कहना यही होगा कि इन वर्षों में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर व्यापक बदलाव देखे हैं। गरीबी में कमी, डिजिटल क्रांति, आधारभूत ढांचे का विस्तार और वैश्विक मंच पर बढ़ती साख ने यह संकेत दिया है कि भारत अब दुनिया की दिशा तय करने वाली शक्तियों में अपनी जगह बनाने की ओर बढ़ रहा है। यही कारण है कि मोदी सरकार के ये 12 वर्ष आज न्यू इंडियाके निर्माण के निर्णायक अध्याय के रूप में देखे जा रहे हैं।

खेल में विकास के बावजूद देश में हर एथलीट को मिलने वाले सम्मान में अंतरः हरमिलन बैंस

एजेंसी

चंडीगढ़ । एथलीट हरमिलन बैंस का मानना है कि भारतीय खेलों में तेजी से सुधार हो रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि देश में बढ़ते सपोर्ट के बावजूद, सभी एथलीटों के लिए मौके और इनाम एक जैसे नहीं हैं। बैंस ने कहा कि खेल करियर के मौके तो दे सकते हैं, लेकिन सिस्टम सभी एथलीटों के साथ एक जैसा बर्ताव नहीं करता। एशियन गेम्स में एक स्वर्ण और दो रजत पदक जीतने वाली भारतीय मिडिल-डिस्टेंस रनर हरमिलन बैंस ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'कुछ एथलीट सफल हो जाते हैं, जबकि दूसरे अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उस स्तर की नौकरी नहीं ले पाते। अगर हम आज के पदक विजेताओं की तुलना पिछली पीढ़ियों के एथलीटों से करें, तो अब हर किसी के लिए स्थिति एक जैसी नहीं है।' हरमिलन ने कहा, 'पहले, बड़े इवेंट्स में पदक जीतने वाले एथलीटों को अक्सरल डीएसपी जैसे ऊंचे सरकारी पदों पर सीधी नियुक्ति मिल जाती थी। मौके आज भी हैं, लेकिन पहले के मुकाबले वे काफी कम हो गए हैं।' हरमिलन ने टीम इवेंट्स में पहचान में अंतर की ओर इशारा किया। रोइंग पदक जीतने वालों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एथलीट निराश हो सकते हैं जब टीम के साथी, जो उतनी ही मेहनत करते हैं, उन्हें अलग-अलग इनाम राशि मिलती है।

त्रिशा जॉली: पिता ने पहचानी प्रतिभा, बैडमिंटन की खातिर छोड़ा शहर, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश को दिलाया पदक

नई दिल्ली । बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह, वहां राह।' बैडमिंटन की दुनिया में सफलता के नए आयाम छूने की ऐसी ही चाहत भारत की स्टार खिलाड़ी त्रिशा जॉली की भी थी। बैडमिंटन के खेल से इस कदर लगाव हुआ कि ट्रेनिंग के लिए अपना शहर छोड़कर हैदराबाद शिफ्ट हो गईं। कड़ी मेहनत, लगन और दमदार प्रदर्शन के बूते त्रिशा आज इस खेल में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। त्रिशा का जन्म 27 मई, 2003 को केरल में हुआ। बचपन से ही त्रिशा को बैडमिंटन में खास रुचि थी। उनके पिता स्कूल में शारीरिक शिक्षक (पीटी टीचर) थे। त्रिशा की प्रतिभा और इस खेल के प्रति उनके लगाव को पिता ने ही पहचाना। पिता की देखरेख में त्रिशा इस खेल की बारीकियां सीखने लगीं। हालांकि, केरल में बैडमिंटन के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसी वजह से त्रिशा ने हैदराबाद शिफ्ट होने का फैसला किया और यहां आकर उन्होंने गोपीचंद एकेडमी में दाखिला लिया। इसके बाद त्रिशा इस खेल में रमती गईं और उन्होंने धीरे-धीरे नाम कमाना शुरू कर दिया। जूनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बूते त्रिशा ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया। हालांकि, त्रिशा को सबसे बड़ी कामयाबी साल 2022 में हाथ लगी। बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में त्रिशा ने गायत्री गोपीचंद के साथ मिलकर महिला युगल में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में त्रिशा के खेल ने उन्हें इंटरनेशनल स्टेज पर पहचान दिलाई। इसी साल ऑल इंग्लैंड ओपन में भी गायत्री संग मिलकर त्रिशा ने शानदार प्रदर्शन किया।

मिशेल मार्श पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर, जोश इंगलिस संभालेंगे ऑस्ट्रेलिया की कमान

नई दिल्ली । टखने की चोट से जूझ रहे कार्यवाहक कप्तान मिशेल मार्श पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ उनकी उपलब्धता अनिश्चित है। ऐसे में जोश इंगलिस को पाकिस्तान दौरे पर टीम की कमान सौंपी गई है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 'मिशेल मार्श टखने की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। मार्श की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर जोश इंगलिस पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श, जो लखनऊ सुपर जायंट्स के आईपीएल सीजन का आखिरी मैच नहीं खेल पाए थे, अगली सूचना तक आगे की जांच और इलाज के लिए पर्थ में ही रहेंगे। बांग्लादेश के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर उचित समय पर फैसला लिया जाएगा।' मिशेल मार्श इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे। चोट के कारण वह शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी मैच में नहीं खेल सके थे। 19 मई को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ मुकाबले के बाद मार्श ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे, लेकिन टखने में चोट के कारण पाकिस्तान नहीं जा सके। मिशेल मार्श का सीरीज से बाहर होना ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि इस सीजन मार्श ने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया था।

नॉर्वे शतरंज 2026 : गुकेश नें विंसेंट केमर को हराया ,दिव्या नें विश्व चैंपियन वेंजुन को दी मात

ओस्लो , नॉर्वे । नॉर्वे शतरंज 2026 में भारतीय खिलाड़ियों नें पहले दिन अच्छी शुरुआत की है , वर्तमान विश्व शतरंज चैंपियन भारत के डी गुकेश का सामना था जर्मनी के विंसेंट केमर से जो की सीधे सुपर क्लासिक शतरंज जीतकर नॉर्वे पहुँचे है दोनों के बीच राइ लोपेज ओपनिंग में अच्छा मुकाबला हुआ और एक समय गुकेश काफ़ी बेहतर स्थिति में थे पर एंडगेम में वजीर और प्यादे के एंडगेम में गुकेश को खेल बचाने के लिए खेलना था और गुकेश नें बेहतरीन खेल दिखाते हुए 142 चालों तक चले मैराथन मुक़ाबले में आधा अंक हासिल कर लिया उसके बाद नॉर्वे शतरंज के नियमानुसार एक टाईब्रेक अरमागोड़ेन मुकाबला खेला गया जिसमें गुकेश नें सिर्फ़ 22 चालों में जीत दर्ज करते हुए 1.5 अंक हासिल कर लिए वहीं भारत के आर प्रज्ञानंदा नें यूएसए के वेस्ली सो के साथ क्लासिकल बाजी ड्रा खेलने के बाद टाईब्रेक में जीत दर्ज की , विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और नॉर्वे शतरंज के सात बार के विजेता मैगनस कार्लसन को फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा नें क्लासिकल बाजी में मात देते हुए 3 अंक हासिल कर लिए ।

आरसीबी लगातार दूसरे आईपीएल सीजन के फाइनल में, गुजरात को 92 रन से हराकर रचा इतिहास

एजेंसी

धर्मशाला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरे सीजन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में जगह बना ली है। क्वालिफायर-1 मुकाबले में बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 254 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों पर नाबाद 93 रन बनाए। उनकी पारी में नौ छक्के और पांच चौके शामिल रहे। इसके अलावा विराट कोहली

और क्रुणाल पांड्या ने 43-43 रन का योगदान दिया। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन वे बेंगलुरु के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर से रोकने में सफल नहीं हो सके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम दबाव में नजर आई और 19.3 ओवर में 162 रन पर सिमट गई। बेंगलुरु के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मैच को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। इस जीत के साथ बेंगलुरु ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। टीम ने आईपीएल प्लेऑफ और नॉकआउट मुकाबलों के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड गुजरात के नाम था, जिसने 2023 के क्वालिफायर-2 में मुंबई के खिलाफ 233 रन बनाए थे। अब गुजरात के पास फाइनल में पहुंचने का एक और मौका रहेगा। टीम एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से क्वालिफायर-2 खेलेगी, जबकि एलिमिनेटर मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच खेला जाएगा।

भारतीय तीरंदाजी के 'अग्रदूत' श्याम लाल मीणा का निधन, सियोल ओलंपिक में लिया था हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली । देश में तीरंदाजी के अग्रदूत माने जाने वाले श्याम लाल मीणा का निधन हो गया है। उनका निधन भारतीय तीरंदाजी के लिए बेहद निराशाजनक है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। रविवार की रात को 61 वर्ष की अवस्था में इस दुनिया को अलविदा कहा। 1988 सियोल ओलंपिक में भारत की पहली ओलंपिक तीरंदाजी टीम के सदस्य रहे श्याम लाल मीणा पिछले कुछ वर्षों से लिवर से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे थे। उनका निधन भारतीय तीरंदाजी के इतिहास के एक बेहद अहम हिस्से के समाप्ति की तरह है। 4 मार्च, 1965 को राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के केवड़िया गांव में जन्मे मीणा ने दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तीरंदाजी के वैश्विक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले परिवार में जन्मे मीणा ने एक पारंपरिक बांस के धनुष से अपने सफर की शुरुआत की थी। उन्होंने सरकार की स्पेशल एरिया गेम्स योजना के तहत मदद पाने से पहले सिर्फ अपने दृढ़ संकल्प के दम पर अपनी प्रतिभा को निखारा।

मीणा ने भारतीय तीरंदाजी की बड़ी कामयाबी में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लिम्बा राम और रजत हलधर के साथ मिलकर कोलकाता में 1987 की एशियन तीरंदाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। इस मेडल को भारतीय तीरंदाजी की पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय कामयाबी माना जाता है। इस सफलता ने ही भारतीय टीम को 1988 के सियोल ओलंपिक्स के लिए क्वालिफिकेशन दिलवाया था। यह ओलंपिक में तीरंदाजी में देश की पहली मौजूदगी थी।

ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम ने रोमांचक मुकाबले में भारत को 2-1 से हराया

एजेंसी

पर्थ। चार मैचों की मैत्रीपूर्ण महिला हॉकी सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को 2-1 से हराकर विजयी शुरुआत की। दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जिसमें भारतीय टीम ने शुरुआती बढ़त तो हासिल की, लेकिन मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में वापसी करते हुए जीत दर्ज कर ली।

मैच के पहले क्वार्टर में भारत ने आक्रामक खेल दिखाया और इसका फायदा टीम को जल्द ही मिला। भारतीय खिलाड़ी नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय रक्षा पंक्ति ने मजबूत प्रदर्शन किया और पहले हाफ तक ऑस्ट्रेलिया को बराबरी का मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने खेल की गति बढ़ाई और लगातार दबाव बनाया। तीसरे क्वार्टर में टीम को पेनल्टी

कॉर्नर के जरिए मौका मिला, जिसे एबी विल्सन ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में भी उन्होंने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी।

भारतीय टीम ने अंतिम क्षणों में बराबरी की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी और मुकाबला 2-1 से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में समाप्त हुआ। अब दोनों टीमें सीरीज के दूसरे मुकाबले में 27 मई को भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे एक बार फिर आमने-सामने होंगी, जहां भारतीय टीम वापसी के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

टी-20 मुंबई लीग के लिए धवल कुलकर्णी बने ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स के हेड कोच

एजेंसी

ठाणे (महाराष्ट्र)। आगामी टी-20 मुंबई लीग के लिए ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लंबा अनुभव रखने वाले पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी को टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। पिछले सीजन में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स इस बार उनके मार्गदर्शन में खिताबी जंग के लिए लड़ती नजर आएगी।

हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद धवल कुलकर्णी ने टीम के साथ जुड़ने और खिलाड़ियों के साथ काम करने को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, अब तक का अनुभव बहुत अच्छा रहा है, टीम का हर खिलाड़ी उत्साहित है और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमने ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की है, जहां खिलाड़ी जिम्मेदारी लें और निडरता के साथ क्रिकेट खेलें। आगामी सीजन के लिए अपनी रणनीति साझा करते हुए पूर्व भारतीय गेंदबाज ने कहा, हमारी रणनीति का मुख्य आधार ही फोकस है, हमारी यही कोशिश रहेगी कि चीजें सरलता के साथ की जायें। हम एक समय पर एक मैच पर ध्यान देना चाहते हैं और यही हमारी प्राथमिकता है। इससे पहले ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स के बल्लेबाज साईराज पाटिल ने कहा था कि पिछले सीजन में टीम फाइनल में पहुंचने से मामूली अंतर से चूक गई थी, लेकिन इस बार टीम का लक्ष्य हर हाल में मुंबई लीग का खिताब जीतना है। टी-20 मुंबई लीग का आयोजन 1 जून से 13 जून तक किया जाएगा। ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स अपने अभियान की शुरुआत टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में बांद्रा ब्लास्टर्स के खिलाफ करेगी।

टीम:

आदित्य विनोद गिरी, अमर्त्य राजे, अनुज विनोद गिरी, अथर्व अंकोलेकर, अयान मोहित जैन, एकनाथ दिनेश केरकर, कार्तिक मिथिलेश मिश्रा, मनन भाट, ओंकार तुकाराम तरमले, रोहन राजेंद्र घाग, साईराज पाटिल, शार्दुल ठाकुर, शशिकांत एकनाथ कदम, शाश्वत योगेश जगताप।

मालदीव फुटबॉल लीग में रेफरी की भूमिका निभाकर शहर लौटे देबूजीत सिंह यादव

एजेंसी

कानपुर। मालदीव में आयोजित प्रतिष्ठित 'मालदीव रीजनल फुटबॉल लीग' में बतौर राष्ट्रीय रेफरी अपनी भूमिका निभाकर देबूजीत सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। 17 अप्रैल से 19 मई तक मालदीव के नेशनल स्टेडियम में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों की टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें देबूजीत सिंह यादव ने मैचों का संचालन निष्पक्षता और अनुशासन के साथ किया।

देबूजीत सिंह यादव उत्तर प्रदेश के रेफरी हैं और लगातार अपने प्रदर्शन के दम पर फुटबॉल जगत में पहचान बना रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में रेफरी की जिम्मेदारी निभाना उनके लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में ऑफिशियल की भूमिका निभाई, जिसकी खिलाड़ियों और

आयोजकों ने सराहना की। कानपुर के नौबस्ता में रहने वाले देबूजीत सिंह यादव के पिता लक्ष्मी नारायण यादव भारतीय सेना से सूबेदार मेजर पद से सेवानिवृत्त हैं। परिवार का कहना है कि बचपन से ही देबूजीत खेलों के प्रति समर्पित रहे हैं और अनुशासन को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं। प्रतियोगिता सम्पन्न होने के बाद उनके कानपुर लौटने पर परिवार, मित्रों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताई। क्षेत्रीय लोगों ने इसे पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात बताया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के महासचिव मोहम्मद शाहिद ने भी देबूजीत सिंह यादव को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के युवा रेफरियों और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्तर प्रदेश के रेफरी की मौजूदगी प्रदेश में फुटबॉल के बढ़ते स्तर को दर्शाती है। रेफरी देबूजीत सिंह यादव ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली जिम्मेदारी निभाना चुनौतीपूर्ण होती है और प्रशंसकों की बधाई से आत्मबल मजबूत होता है।

रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ब्लू ने हकीम रईस क्रिकेट एकेडमी को 81 रन से दी शिकस्त

एजेंसी

मुरादाबाद। ब्रास सिटी इंटर क्लब क्रिकेट मुकाबले में रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ब्लू ने हकीम रईस क्रिकेट एकेडमी को 81 रन से शिकस्त दी। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए देव चौधरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आज रुक्मणी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इंटर क्लब मुकाबले में रुक्मणी ब्लू पूरे मैच में हावी रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए रुक्मणी ब्लू ने 40 ओवर में चार विकेट पर 270 रन बनाए। कैफ ने नाबाद 77 रन बनाकर पारी को संभाले रखा, जबकि देव चौधरी ने 73 रन की पारी खेली। नाजरीन ने 59 रन जोड़कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी हकीम रईस एकेडमी की शुरुआत संभली हुई रही, लेकिन रन गति बढ़ाने के दबाव में टीम लगातार विकेट गंवाती चली गई। सुहैल ने 54 रन बनाए, शाहवेज मलिक ने 44 और रियाज ने 25 रन का योगदान दिया, लेकिन टीम 35.3 ओवर में 189 रन पर सिमट गई। वहीं रुक्मणी ब्लू की ओर से गेंदबाजी में देव चौधरी ने भी कमाल दिखाया और तीन विकेट अपने नाम किए। फाहद अली को दो सफलताएं मिलीं। इसके साथ ही ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए देव चौधरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में ताइक्वांडो खिलाड़ी सम्मानित

एजेंसी

मुरादाबाद। कांठ रोड रामगंगा विहार स्थित आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में ताइक्वांडो खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आरएसडी एकेडमी के निदेशक डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जी. कुमार, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. अजय शर्मा व डॉ. गरिमा शर्मा द्वारा ताइक्वांडो के विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम समर कप ताइक्वांडो प्रतियोगिता में आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी की टीम द्वारा दूसरा स्थान प्राप्त करने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी के 55 ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें सब जूनियर बालक वर्ग में अंडर 16 किलो में इराज कपूर ने स्वर्ण, अंडर 18 किलो में दक्षित त्रिपाठी ने स्वर्ण पदक, अंडर 21 किलो में आरव चौधरी ने कांस्य, मसीह ने स्वर्ण, विराज कपूर ने रजत व अश्मित कपूर ने कांस्य पदक जीता। अंडर 41 कृष्ण कुमार ने

अंडर 23 किलो में रेयांश मिश्र ने स्वर्ण, शौर्या वर्मा ने रजत व शशांक वर्मा ने कांस्य पदक जीता। अंडर 25 किलो में अनुभव ने कांस्य, अंडर 32 किलो में उत्कर्ष गुप्ता ने रजत व पार्थ सिरोही ने कांस्य पदक जीता।अंडर 38 किलो में अनमोल कांस्य पदक जीता। सब जूनियर बालिका बालिका वर्ग में अंडर 16 किलो में आरोही चौधरी ने स्वर्ण पदक, अंडर 18 किलो में मधेशी ने स्वर्ण पदक, अंडर 20 किलो में अदिति ने कांस्य पदक, अंडर 26 किलो में सिद्धि गुप्ता ने स्वर्ण पदक, अंडर 29 किलो में अनुभूति गुप्ता ने स्वर्ण पदक, अंडर 38 किलो में आविष्का वर्मा ने स्वर्ण पदक, अंडर 41 किलो में अनिक ने कांस्य पदक, अंडर 44 किलो में टिया सिंह ने कांस्य पदक जीता।

कैडेट बालक वर्ग अंडर 33 किलो में अंश ने कांस्य पदक, अंडर 37 किलो में आशीष सिंह ने स्वर्ण पदक, अंडर 41 में कृष्णा ने कांस्य पदक, अंडर 49 किलो में हर्ष चौधरी ने रजत पदक , अंडर 53 किलो में शाहज़ेब खान ने स्वर्ण पदक, अंडर 57 किलो में प्रतीक सिंह ने स्वर्ण पदक जीता। जूनियर बालक वर्ग अंडर 51 किलो में लवकुश यादव ने रजत पदक जीता व जूनियर बालिका वर्ग अंडर निक्की मसीह ने स्वर्ण पदक जीता। आर एस डी स्पोर्ट्स एकेडमी के ताइक्वांडो कोच शाहवेज़ अली के नेतृत्व में टीम ने प्रतिभाग किया ।

फ्रेंच ओपनः ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड वाल्टन ने किया उलफेटर, पांच सेट के मैच में मेदवेदेव की हार

एजेंसी

पेरिस। डेनिल मेदवेदेव का रोलैंड गैरोस में खराब प्रदर्शन भी जारी रहा। वर्ल्ड नंबर-5 मेदवेदेव को पहले ही राउंड में ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड एडम वाल्टन के हाथों 5 सेट में हार (6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4) का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला 3 घंटे 22 मिनट तक चला। यह वाल्टन के करियर की सबसे बड़ी जीत थी, जिसके साथ ही उन्होंने किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ पहली बार जीत दर्ज की है। फ्रेंच ओपन में 10 बार हिस्सा लेने के दौरान ऐसा 7वीं बार था, जब मेदवेदेव पहले ही राउंड में बाहर हो गए। इसके साथ ही रोलैंड गैरोस में 5 सेट वाले मुकाबलों में उनका रिकॉर्ड बेहद निराशाजनक 0-4 का हो गया है। क्ले कोर्ट पर दोनों खिलाड़ियों के बीच यह एक जबरदस्त मुकाबला था, जिसमें मैच का पलड़ा लगातार इधर-उधर झुकता रहा। वाल्टन के लिए मैच में बने रहना काफी मुश्किल था, क्योंकि पूर्व यूएस ओपन चैंपियन मेदवेदेव आखिरी तीन सेटों में हावी होने की कोशिश कर रहे थे। पेरिस की गर्मी से जूझते हुए मेदवेदेव को दूसरे सेट के दौरान 'एंड्स' बदलने के समय एक 'टाइमआउट' भी लेना पड़ा।

पांचवें सेट में जब मेदवेदेव 4-2 से आगे चल रहे थे, तब ऐसा लग रहा था कि वे आसानी से जीत की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन वाल्टन ने लगातार चार गेम जीतकर मैच का पासा पलट दिया। वॉल्टन दूसरे राउंड में अमेरिका

के वर्ल्ड नंबर-108 खिलाड़ी जैकेरी स्वाजडा से खेलेंगे। दूसरी तरफ, फ्रेंच टेनिस को भी सफलता मिली। 17 वर्षीय मोइज कौमे ने अपने ग्रैंड स्लैम डेब्यू पर ही पूर्व यूएस ओपन चैंपियन मारिन सिलिच को हराकर एक जबरदस्त उलटफेर करते हुए 7-6(4), 6-2, 6-1 से जीत हासिल की।

विंसेंट केमर नें जीता सुपर चैस क्लासिक का खिताब

एजेंसी

बुकारेस्ट , रोमानिया । ग्रैंड चैस टूर 2026 के पहले क्लासिकल टूर्नामेंट सुपर क्लासिकल का खिताब जर्मनी के विंसेंट केमर नें अपने नाम कर लिया है , विंसेंट नें आख़िरी राउंड में नीदरलैंड के यॉर्डन वान फारेस्ट को पराजित करते हुए अपना ग्रैंड चैस क्लासिकल टाइटल अपने नाम किया है , पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने शानदार खेल दिखाया हालांकि सातवें राउंड में उज़्बकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव से हारने के बाद ऐसा लगा की वह शायद विजेता ना बन पाये पर उन्होंने शानदार वापसी की और 6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे , यूएसए के फैबियानो कारुआना 5.5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे , अंतिम राउंड में उन्हें फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव नें ड्रा पर रोककर खिताब नहीं जीतने दिया वही ख़राब शुरुआत करने वाले सिंदारोव नें आख़िरी तीन राउंड में वापसी करते हुए दो जीत के साथ 5 अंक बनाये और तीसरे स्थान पर रहे . 4.5 अंकों पर यूएसए के वेस्ली सो , नीदरलैंड के अनीश गिरी और यॉर्डन फारेस्ट , भारत के आर प्रज्ञानंदा , फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव और रोमानिया के बोगदान डेनियल टाईब्रेक के आधार पर क्रमशः चौथे से नौवे स्थान पर रहे .

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने पहली 'वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप' का अनावरण किया, 75 देश लेंगे हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय खेल और वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि के तौर पर, पहली 'वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप' (डब्ल्यूवायसी) 2026 का नई दिल्ली में आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया गया। यह चैंपियनशिप योगासन को एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में समर्पित है। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने महासंघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में इसका अनावरण किया। गुजरात के अहमदाबाद में 4 से 8 जून तक पहली वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। इस चैंपियनशिप के दौरान 12 स्पर्धाओं में 75 देशों के 500 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद है। इन देशों में युगांडा, जाम्बिया, श्रीलंका, नेपाल, केन्या, जापान, ओमान, मॉरीशस और नीदरलैंड शामिल हैं। यह आयोजन योगासन को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल के रूप में बढ़ावा देने की दिशा में भारत के साहसिक प्रयास का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य इसे ओलंपिक गेम्स में भी स्थान दिलाना है। आधिकारिक अनावरण समारोह के दौरान चैंपियनशिप के लोगो, ट्रॉफी, आधिकारिक जर्सी और 'वीर' नामक

शेर मैस्कॉट को भी लॉन्च किया गया। चैंपियनशिप की पहचान खेल उत्कृष्टता, वैश्विक एकता, युवा आकांक्षाओं और खेल एवं वेलनेस में भारत के नेतृत्व को दर्शाती है। यह भारत की विरासत और विकसित भारत की सोच का संगम है। लॉन्च के अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को योग का उपहार दिया है और अब देश योगासन को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप हमारे युवाओं, हमारी संस्कृति और उभरते वैश्विक खेलों में भारत की भूमिका को दर्शाती है। यह चैंपियनशिप हमारे खेल के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मैं सभी देशों का भारत में स्वागत करता हूं। मुझे विश्वास है कि यह चैंपियनशिप योगासन खेल अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगी।' भारत की ओलंपिक गेम्स 2036 की मेजबानी की बोली का उल्लेख करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा, 'जिस देश में योग का उद्गम हुआ, वह 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। उसी के अनुरूप हम भी विश्व मंच पर पहली बार योगासन को ओलंपिक खेल के रूप में स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।' योगासन भारत के अध्यक्ष उदित शेठ ने कहा, 'योगासन में दुनिया के लिए भारत का एक बड़ा खेल योगदान बनने की क्षमता है। यह सिर्फ एक चैंपियनशिप नहीं, बल्कि भारत से शुरू हुआ एक वैश्विक खेल अभियान है, जिसे आधुनिक शिक्षण, स्कोरिंग और ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के साथ दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। अहमदाबाद में विभिन्न देशों के खिलाड़ी और अधिकारी एक साथ आएंगे और यह आयोजन भारत की प्राचीन परंपरा को आधुनिक खेल दुनिया तक पहुंचाने में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। हम सभी टीमों और खिलाड़ियों का भारत में स्वागत करते हैं।

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने शुरू किया दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में 3.37 गीगावाट प्रति घंटे क्षमता वाला बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। एजीईएल का दावा है कि यह चीन के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट है और साथ ही दुनिया में सबसे तेज़ी से तैयार किए गए बड़े प्रोजेक्ट्स में भी शामिल है। एजीईएल के अनुसार इसमें मार्च 2026 में शुरू की गई 1.37 गीगावॉट-आवर क्षमता भी शामिल है, जिसके बाद गुजरात के खावड़ा में एजीईएल की कुल ऑपरेशनल बीईएसएस क्षमता बढ़कर 3.37 गीगावॉट-आवर हो गई है। ये पूरा प्रोजेक्ट साइट पर निर्माण शुरू होने के केवल 10 महीनों के भीतर ही पूर्ण हो गया। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत ग्रिड की भरोसेमंद क्षमता बढ़ाने, पीक समय में बिजली आपूर्ति को मजबूत करने और रिन्यूएबल एनर्जी के जरिए बड़े स्तर पर 24 घंटे लगातार बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। एजीईएल का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 में 10 गीगावॉट-आवर से ज्यादा बैटरी स्टोरेज क्षमता जोड़ने और अगले पाँच वर्षों में इसे बढ़ाकर 50 गीगावॉट-आवर तक पहुंचाने का है। कंपनी के मुताबिक एजीईएल का 3.37 गीगावॉट-आवर बीईएसएस इतना क्लीन एनर्जी स्टोर कर सकता है ।

भारत-जापान संगोष्ठी ने कार्यबल सहयोग को नई गति प्रदान की

नई दिल्ली। भारत-जापान के बीच कार्यबल गतिशीलता सहयोग पर चर्चा के लिए 25 मई को टोक्यो में आयोजित संगोष्ठी ने कार्यबल सहयोग को नई गति प्रदान की। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि यह संगोष्ठी जापान स्थित भारतीय दूतावास और जापान की आसियान वन कंपनी लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से टोक्यो में आयोजित की गई थी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव वंदना गुरनानी ने इस संगोष्ठी को संबोधित किया। मंत्रालय ने कहा कि भारत-जापान के बीच कुशल कार्यबल गतिशीलता और मानव संसाधन विकास में दीर्घकालिक सहयोग पर चर्चा के लिए आयोजित संगोष्ठी में जापानी नीति निर्माताओं, उद्योग के जगत प्रमुखों, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यबल गतिशीलता से जुड़े हुए हितधारकों को एक मंच पर लाया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव ने अपने संबोधन में वैश्विक कार्यबल के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने पारदर्शी, नैतिक और व्यापक अंतरराष्ट्रीय श्रम गतिशीलता मार्ग तैयार करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सब्स्क्रिप्शन के लिए एसएमआर ज्वेल्स का आईपीओ लॉन्च, 29 मई तक बोली संभव

नई दिल्ली। ज्वेलरी सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी एसएमआर ज्वेल्स लिमिटेड का 67.23 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्स्क्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 128 रुपये से लेकर 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,70,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 49.80 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 51 करोड़ रुपये के 37.51 लाख नए शेयर और लगभग 13 करोड़ रुपये के 9.80 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा 2.49 लाख नए शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 9.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.51 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 37.99 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला राजनंदिनी फैशन का आईपीओ, तीन जून को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। महिलाओं के लिए डिजाइनर कपड़े का प्रोडक्शन और मार्केटिंग करने वाली कंपनी राजनंदिनी फैशन इंडिया लिमिटेड का 18.21 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 29 मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर एक बजे तक इस आईपीओ को 50 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 59 रुपये से लेकर 63 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,52,000 रुपये का निवेश करना होगा।

देश के बैंकों का प्रदर्शन मजबूत, सालाना 15.90 फीसदी की वृद्धि: डीएफएस सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली/अगरतला। वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने कहा कि देश के सार्वजनिक और निजी दोनों ही क्षेत्रों के बैंक सालाना 15.90 फीसदी की वृद्धि के साथ 'बहुत अच्छा' प्रदर्शन कर रहे हैं। नागराजू ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''हमारे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक 15.90 फीसदी की वृद्धि दर के साथ बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भारतीय इतिहास में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है। डीएफएस सचिव ने कहा कि देशभर में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी घटकर 0.40 फीसदी रह गई हैं, जो पिछले आंकड़ों की तुलना में कम है।''' डीएफएस सचिव एम. नागराजू ने पूर्वोत्तर राज्य

में दो कार्यक्रमों में भाग लिया, जहां 8 हजार लाभार्थियों के लिए 604 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए। उन्होंने बताया कि बैंकों के पास अब मजबूत पूंजी आधार है, जबकि कम एनपीए बैंकों की मजबूती के पीछे एक प्रमुख कारण है। नागराजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए लघु एवं मझोले उद्यमों को समर्थन देने के लिए 2.25 लाख करोड़ रुपये का व्यापार गारंटी कार्यक्रम शुरू किया है। वित्तीय समावेशी उपायों का जिक्र करते हुए नागराजू ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में कई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से लाखों लोगों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा, ''वित्तीय समावेश योजना (जन धन योजना) के तहत 12 वर्षों में कुल 58 करोड़ खाते खोले गए, जिनमें से 32 करोड़ खाते महिलाओं के हैं।'' नागराजू ने कहा कि इसी अवधि में प्रमुख मुद्रा योजना के तहत 56 करोड़ ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 67 फीसदी महिलाओं को मिले हैं। उन्होंने लोगों से उद्यम स्थापित करने के लिए बैंक ऋण लेने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि वे अधिक ऋण सुविधाओं के लिए पात्र हो सकें।

खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की 2025-26 में 1.87 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में स्वदेशी उत्पादों की बढ़ती मांग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के बीच खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने नया इतिहास रच दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर को छूते हुए 1.87 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के मुताबिक खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री बीते वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक के रिकॉर्ड स्तर 1,87,105 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आयोग के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में यह बिक्री 1,70,551.37 करोड़ रुपये रही थी, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में यह 31,154 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा खादी उत्पादन ने भी नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वित्त वर्ष 2013-14 में 811.08 करोड़ रुपये का खादी उत्पादन आज बढ़कर 3973.98 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह 390 फीसदी वृद्धि भारत के कारीगरों की मेहनत, कौशल और स्वदेशी शक्ति का प्रमाण है। केवाईसी ने बताया कि गांवों की अर्थव्यवस्था आज भारत के विकास की सबसे मजबूत ताकत बन रही है।

केवीआईसी के चेयरमैन मनोज कुमार ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में खादी एव ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री 2.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन वित्त वर्ष 2013-14 में 26,109 करोड़ रुपये रहा था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में करीब पांच गुना होकर 1,25,296 करोड़ रुपये हो गया।

महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की रिकॉर्ड बिक्री, सरकार ने कहा- किल्लत नहीं, अफवाहों से बढ़ी खरीद

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में 23 मई को पेट्रोल और डीजल की बिक्री में अचानक तेज उछाल दर्ज किया गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पेट्रोल की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में 23 प्रतिशत और डीजल की बिक्री 52 प्रतिशत तक बढ़ गई। कई जिलों में डीजल की मांग दोगुनी से भी अधिक रही, जिससे प्रशासन सतर्क हो गया है।

आंकड़ों के मुताबिक जालना में डीजल की बिक्री 154 प्रतिशत तक बढ़ी, जबकि नांदेड़ में 114 प्रतिशत और वाशिम में 105 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अकोला, अमरावती, उस्मानाबाद, नासिक और परभणी सहित कई जिलों में भी ईंधन की बिक्री में बढ़ोतरी देखी गई। राज्य सरकार का कहना है कि ईंधन की कोई वास्तविक कमी नहीं है और यह बढ़ी हुई खरीद मुख्य रूप से अफवाहों और घबराहट के कारण की गई है। अधिकारियों के अनुसार कुछ जगहों पर लोगों ने अनावश्यक रूप से ईंधन का स्टॉक जमा किया, जिससे बिक्री में अचानक

उछाल आया। इस स्थिति को देखते हुए गृह विभाग और नागरिक आपूर्ति विभाग ने संयुक्त रूप से निगरानी और कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अनावश्यक भंडारण, कालाबाजारी या कृत्रिम कमी पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला प्रशासन और तेल कंपनियों को भी स्थिति पर लगातार नजर रखने और आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कमी की चर्चा हो रही हैं, हालांकि महाराष्ट्र सरकार का कहना है कि जमाखोरी की जा रही है, इसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

इस बीच देश की राजधानी दिल्ली में गैस वितरक कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने सीएनजी की कीमतों में 2 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह पिछले दो हफ्तों में चौथी बार कीमतों में किया गया इजाफा है। नई वृद्धि के बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमत बढ़कर 83.09 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो पहले 81.09 रुपए प्रति किलो थी।

एआई से नौकरियां जाने का मेरा अनुमान गलत, मशीन नहीं ले सकती इंसान की जगह : ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन

एजेंसी

नई दिल्ली । ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से नौकरियां बिल्कुल खत्म होने का कोई खतरा नहीं है। साथ ही कहा कि बड़ी संख्या में एआई के चलते व्हाइट कॉलर नौकरियां जाने का जो अनुमान पहले लगाया गया था, उसे बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया था। सिडनी में कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में बोलते हुए, ऑल्टमैन ने कहा कि उन्हें शुरू में उम्मीद की थी कि 2022 में चैटजीपीटी के लॉन्च के बाद एआई द्वारा प्रवेश स्तर की व्हाइट-कॉलर नौकरियों की एक बहुत बड़ी संख्या समाप्त हो जाएगी। लेकिन, इसका रोजगार पर प्रभाव अब तक अनुमान से कम गंभीर रहा है। सीबीए के चीफ एग्जीक्यूटिव मैट कॉमिन के साथ बातचीत के दौरान ऑल्टमैन ने कहा, 'मुझे यह जानकर खुशी हुई कि मेरा अनुमान गलत था। ' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगा था कि प्रवेश स्तर की व्हाइट-कॉलर नौकरियों के खत्म होने का असर अब तक जितना हुआ है, उससे कहीं ज्यादा होगा। '

ऑल्टमैन ने कहा कि ओपनएआई ने एआई में तकनीकी

प्रगति की गति के बारे में 'लगभग सही' अनुमान लगाया था, लेकिन सामाजिक और आर्थिक परिणामों के बारे में 'काफी गलत' साबित हुआ। उनके अनुसार, नौकरियों के खत्म होने को लेकर शुरुआती आशंकाएं उस समय के वास्तविक खतरे के कारण थीं। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब एचएसबीसी, अमेजन, स्टैंडर्ड चार्टर्ड और कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया सहित कई वैश्विक कंपनियों ने स्वीकार किया है कि उनके संगठनों के कुछ पदों को एआई-आधारित उपकरणों और स्वचालन द्वारा प्रतिस्थापित या नया रूप दिया जा रहा है।हालांकि, ऑल्टमैन ने कहा कि उन्हें यह एहसास होता जा रहा है कि मानवीय संपर्क कई नौकरियों का एक अनिवार्य हिस्सा बना हुआ है और मशीनों द्वारा इसकी आसानी से नकल नहीं की जा सकती।

उन्होंने स्लैक और ईमेल संदेशों के लिए एआई द्वारा उत्पन्न उत्तरों के साथ प्रयोग करने का एक व्यक्तिगत उदाहरण साझा किया, जिसके बाद अंततः उन्होंने स्वयं उत्तर देना शुरू कर दिया।

एनएसई पर लंबी अवधि में पैसा बना रहा है 'यंग इंडिया', शेयर बाजार तक हुई आम लोगों की पहुंच

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में शेयर बाजार का क्रेज अब सिर्फ दक्षिण मुंबई के पॉश इलाकों तक ही सीमित नहीं है। पहले यह सिर्फ अल्टामाउंट रोड, मालाबार हिल या बांद्रा जैसी जगहों तक था लेकिन, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की वजह से पिछले 30 सालों में माहौल बदला है। अब ग्रेटर नोएडा (यूपी) और रांची (झारखंड) जैसे शहरों के परिवार भी शेयरों और म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं। वे अपनी बचत का पैसा उन स्कीमों में लगा रहे हैं जो इस स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड हैं।

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एक्सचेंजेस (डब्ल्यूएफई) के मुताबिक, ट्रेड की संख्या के मामले में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इक्विटी एक्सचेंज है। इसमें शक नहीं कि एनएसई पर महाराष्ट्र, यूपी और गुजरात के निवेशकों का ही दबदबा है। वित्त वर्ष 2026 के अंत में कुल यूनिक रजिस्टर्ड निवेशकों में इनका हिस्सा क्रमशः 15.6 फीसदी, 11.7 फीसदी और 8.5 फीसदी रहा। लेकिन अब उन राज्यों में भी निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिनकी शेयर बाजार में भागीदारी पहले बहुत कम थी।

डब्ल्यूएफई के जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2015 के अंत में कुल रजिस्टर्ड निवेशकों में बिहार का हिस्सा सिर्फ 1.6 फीसदी था। वित्त वर्ष 2026 के अंत में यह बढ़कर 4.7 फीसदी हो गया। इसी तरह असम का हिस्सा वित्त वर्ष 2015 के अंत में सिर्फ 0.6 फीसदी था, जो वित्त वर्ष 2026 के अंत में यह बढ़कर 2.2 फीसदी हो गया। के मुताबिक इसमें हैरानी की बात नहीं है कि देश में आम लोगों को निवेशक बनाने और उनकी कमाई बढ़ाने में एनएसई सबसे आगे है। मई 2026 में एनएसई के रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या 12.9 करोड़ पहुंच गई थी। इसके ठीक अगले महीने इसमें 12.3 लाख नए निवेशक और जुड़े। इस तरह यह आंकड़ा 13 करोड़ के पार निकल गया। आंकड़ों के अनुसार शुरुआती 1 करोड़ रजिस्टर्ड निवेशकों तक पहुंचने में एनएसई को 14 साल लगे थे लेकिन आज माहौल अलग है। दुनिया के इस सबसे बड़े मल्टी-एसेट क्लास एक्सचेंज पर अब औसतन हर 5 महीने में 1 करोड़ निवेशक जुड़ते हैं। वित्त वर्ष 2026 में यूनिक क्लाइंट कोड (यूसीसी) की कुल संख्या 25 करोड़ (250 मिलियन) को पार कर गई। यह एक बार फिर दिखाता है कि देश में रिटेल निवेशकों का दायरा कितनी तेजी से बढ़ रहा है। वे लंबी अवधि में पैसा बना रहे हैं। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2021 से 2026 के बीच एनएसई पर कुल निवेशकों की संख्या 26.4 फीसदी की सालाना कंपाउंडेड दर से बढ़ी। इसके मुकाबले वित्त वर्ष 2016 से 2021 के बीच यह बढ़त 15.2 फीसदी थी। आंकड़ों के अनुसार निवेशकों का यह दायरा पूरे देश में फैला है। अब देश के 99.85 फीसदी पिन कोड्स तक इसकी पहुंच हो चुकी है। साथ ही, महाराष्ट्र पहला ऐसा राज्य है जिसने वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में 2 करोड़ निवेशकों का आंकड़ा पार किया है। डब्ल्यूएफई के मुताबिक अगर क्षेत्रों के हिसाब से देखें तो उत्तर भारत सबसे आगे है। यहां कुल 472.9 लाख यूनिक रजिस्टर्ड निवेशक हैं। इसके बाद पश्चिमी क्षेत्र में 378.1 लाख निवेशक हैं। दक्षिणी क्षेत्र में 271.4 लाख और पूर्वी क्षेत्र में 156.3 लाख यूनिक रजिस्टर्ड निवेशक हैं। सालों से एनएसई ने फाइनेंशियल मार्केट तक लोगों की पहुंच बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसने टेक्नोलॉजी, पारदर्शिता और बड़े पैमाने के दम पर एक आधुनिक इन्वेस्टमेंट इकोसिस्टम बनाया है।

आईएमपीसीएल को खरीदने के लिए स्काईमैप फार्मास्यूटिकल्स की 121 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्यूटिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) को खरीदने के लिए स्काईमैप फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड की 121 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि स्काईमैप फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को आयुष मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत आने वाली एक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम (सीपीएसई) इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) के विनिवेश के लिए 'रणनीतिक खरीदार' के रूप में मंजूरी दी गई है। यह रणनीतिक विनिवेश लेन-देन को बहुस्तरीय परामर्शी निर्णय प्रणाली द्वारा समर्थित दो-चरण की प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से कार्यान्वित किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति (सीसीईए) द्वारा अधिकृत मंत्रियों के एक समूह यानी उस वैकल्पिक प्रणाली ने इंडियन मेडिसिन फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) की शत-प्रतिशत इक्विटी शेयरधारिता की बिक्री और प्रबंधन नियंत्रण के हस्तांतरण के लिए मेसर्स स्काईमैप फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड की 121,00,94,400 रुपये (एक सौ इक्कीस करोड़ चौरानवे हजार चार सौ रुपये मात्र) की उच्चतम बोली को मंजूरी दे दी है। इस समूह में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, वित्त मंत्री और आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि आईएमपीसीएल की स्थापना 12 जुलाई, 1978 को मानकीकृत आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियों के निर्माण और आपूर्ति के प्रमुख उद्देश्य से की गई थी। सीसीईए ने नवंबर 2017 में दो चरणों की बोली प्रक्रिया के माध्यम से चुने जाने वाले एक रणनीतिक खरीदार को आईएमपीसीएल की संपूर्ण इक्विटी शेयरधारिता के रणनीतिक विनिवेश के लिए 'सैद्धांतिक' स्वीकृति प्रदान की है।

कैट ने व्यवसायों के लिए आवश्यकता आधारित ऋण नीति पर वित्त मंत्री के आह्वान का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सिडबी के कार्यक्रम में दिए गए उस महत्वपूर्ण वक्तव्य का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि गैर-मानक व्यवसायों की आवश्यकताओं को सामान्य वित्तीय उत्पादों से पूरा नहीं किया जा सकता और ऋण उत्पादों को उद्यमों के व्यावसायिक चक्र के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह वक्तव्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। खंडेलवाल ने कहा कि वित्त मंत्री सीतारमण का ये वक्तव्य अत्यंत व्यावहारिक, दूरदर्शी और भारत के एमएसएमई तथा व्यापारिक समुदाय की वास्तविक वित्तीय चुनौतियों को समझने वाला है। खंडेलवाल ने आगे कहा कि वित्त मंत्री निर्मला संतारमण ने बिल्कुल सही कहा है कि अलग-अलग व्यवसायों की वित्तीय एवं परिचालन संरचना अलग होती है। उन्होंने बताया कि कृषि आधारित उद्यमों की आय मौसमी होती है, हॉस्पिटैलिटी एवं रिसॉर्ट व्यवसायों की आय वर्ष भर समान नहीं रहती, निर्यातकों को माल भेजने के बाद भुगतान प्राप्त होने में समय लगता है, ऑटो कंपोनेंट आपूर्तिकर्ता इनवॉइस भुगतान पर निर्भर रहते हैं, जबकि अनेक महिला उद्यमियों के पास संपत्ति स्वामित्व न होने के बावजूद मजबूत लेन-देन रिकॉर्ड होता है। कैट महामंत्री ने कहा कि वित्त मंत्री का कहना कि ऐसे विविध स्वरूप वाले उद्यमों पर एक समान ऋण पुनर्भुगतान संरचना थोपना न तो व्यावहारिक है और न ही व्यापार हितैषी, बेहद तार्किक है। खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारिक समुदाय लंबे समय से लचीली एवं क्षेत्र-विशिष्ट ऋण नीतियों की मांग करता रहा है। कठोर बैंकिंग ढांचे और मानक पुनर्भुगतान अनुसूचियां अक्सर छोटे व्यापारियों एवं उद्यमियों पर अनावश्यक वित्तीय दबाव बनाती हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सिडबी और बैंकिंग प्रणाली को लचीले तथा उद्यम-विशिष्ट ऋण उत्पाद तैयार करने का दिया गया आह्वान एक महत्वपूर्ण सुधारवादी दिशा है, जिससे ऋण उपलब्धता बढ़ेगी, वित्तीय दबाव कम होगा और पुनर्भुगतान अनुशासन भी मजबूत होगा। खंडेलवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि इस दिशा-निर्देश के अनुरूप सिडबी तथा अन्य वित्तीय संस्थान अपनी ऋण प्रणाली में व्यावहारिक सुधार करेंगे और एमएसएमई एवं व्यापारियों के लिए ऋण को अधिक सुलभ बनाएंगे। खंडेलवाल ने कहा कि कैट इस प्रगतिशील पहल का पूर्ण समर्थन करता है और व्यापारिक समुदाय की ओर से रचनात्मक सुझाव देने के लिए सदैव तैयार है, ताकि भारत के लिए अधिक समावेशी, व्यावहारिक और विकासोन्मुख ऋण ढांचा तैयार किया जा सके।

केवीआईसी जल्द ही 'खादी इंडिया' उत्पादों के लिए एक नया ई-कॉमर्स पोर्टल शुरू करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली । खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के चेयरमैन मनोज कुमार ने कहा कि केवीआईसी जल्द ही 'खादी इंडिया' उत्पादों के लिए अपने ई-कॉमर्स पोर्टल का नया संस्करण पेश करेगा। नई दिल्ली में राजघाट के गांधी दर्शन पर स्थित केवीआईसी के कार्यालय में वित्त वर्ष 2025-26 के अनंतिम आंकड़े जारी करते हुए मनोज कुमार ने कहा कि आयोग ने उत्पादन, बिक्री और रोजगार सृजन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कुमार ने कहा कि केवीआईसी अब नए भारत में डिजिटल बदलाव की ओर बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम खादी का ई-कॉमर्स पोर्टल पेश करने जा रहे हैं, जो आधुनिक होगा और 'जेनरेशन

जेड' के लिए उपयुक्त होगा। हम अपने संपूर्ण डिजिटल परिवेश को नया रूप दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि शॉपिफाई द्वारा संचालित यह उन्नत ई-कॉमर्स पोर्टल वैश्विक मानकों के अनुरूप होगा और उपयोगकर्ता को बेहतर अनुभव कराएगा। इसमें उत्पादों को आसानी से खोजने के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित श्रेणियां और उपयोगकर्ताओं के लिए 'शॉप द लुक' जैसे 'इंटरैक्टिव' तत्व होंगे। मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ डिजाइन किए गए इस मंच में उच्च-रिजॉल्यूशन वाले तस्वीरों के माध्यम से बेहतर तरीके से उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा और भुगतान की बेहतर सुविधाएं होंगी। इसके अलावा यह मंच ब्रांड की कहानी को भी सशक्त बनाएगा।

टीमटेक फॉर्मवर्क की स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के लिए मॉड्यूलर टी-फॉर्मवर्क और कस्टमाइज्ड फॉर्मवर्क सिस्टम बनाने वाली कंपनी टीमटेक फॉर्मवर्क सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 63 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 19.05 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 75 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 71.25 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर लोअर सर्किट ब्रेक कर दिया। दोपहर 12:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 75 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 12 रुपये यानी 19.05 प्रतिशत के फायदे में थे। टीमटेक फॉर्मवर्क सॉल्यूशंस का 50.15 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 21 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आई जोरदार तेजी के बाद आज हुई मुनाफा वसूली, अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ने की आशंका और एनएसई के पांच सूचकांकों और स्टॉक्स के डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की मंथली एक्सपायरी होने की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज पूरे दिन तेज उठापटक का माहौल बना रहा। दिन भर के उतार चढ़ाव के बाद शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बना बंद हुआ। सेंसेक्स आज ऊपरी स्तर से 700 अंक से अधिक फिसल गया। इसी तरह निफ्टी भी ऊपरी स्तर से 200 अंक से अधिक टूट गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.63 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए

आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंटेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, मेटल और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्मॉल और मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 468.91 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.74 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.17 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,385 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,169 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,033 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 183 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,973 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,402 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,571 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से आठ शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 264.82 अंक की कमजोरी के साथ 76,224.14 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। कारोबार के दौरान बीच-बीच में बिकवाली के मामूली झटके भी लगते रहे, इसके बावजूद सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से 400 अंक से अधिक की रिकवरी कर 138.08 अंक की मजबूती के साथ 76,627.04 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 717.36 अंक टूट कर 579.28 अंक की कमजोरी के साथ 75,909.68 अंक के स्तर तक गिर गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी कर 479.26 अंक की गिरावट के साथ 76,009.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 27.60 अंक फिसल कर 24,004.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई।

मुस्लिम देशों से एकजुटता की अपील, ईरानी सुप्रीम लीडर ने सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

एजेंसी

तेहरान। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने मुस्लिम देशों से आपसी सहयोग और एकजुटता बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक दुनिया के विकास और उसकी चुनौतियों के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव और कूटनीतिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा कि इस्लामिक उम्माह की प्रगति और मुस्लिम समाज के सामने मौजूद समस्याओं के समाधान के लिए सभी इस्लामिक देशों को एकजुट होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह ईमानदारी और सकारात्मक सोच के साथ सभी मुस्लिम देशों और सरकारों को दोस्ती, सहयोग और आपसी समन्वय का निमंत्रण देते हैं। उनके अनुसार, सामूहिक भागीदारी और मजबूत रिश्ते ही क्षेत्रीय स्थिरता तथा व्यापक विकास का आधार बन सकते हैं।

कतर में हुई वार्ता के बाद ईरानी प्रतिनिधिमंडल स्वदेश लौटा

तेहरान/दोहा। ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्धविराम वार्ता के बीच ईरान का वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल कतर की राजधानी दोहा से बातचीत पूरी कर स्वदेश लौट आया। दोनों पक्षों के बीच जारी बातचीत को क्षेत्रीय तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरान के केंद्रीय बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेर हेम्मती वार्ता के बाद देश लौटे। प्रतिनिधिमंडल ने कतर के मध्यस्थों और अधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बातचीत के दौरान ईरान के विदेशों में फंसे या प्रतिबंधों के कारण अवरुद्ध वित्तीय संसाधनों का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया गया। लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों और क्षेत्रीय तनाव के कारण ईरान आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है और वह अपने अरबों डॉलर के विदेशी फंड को जल्द जारी करने की मांग कर रहा है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि दोहा में हुई वार्ता का माहौल सामान्य रूप से सकारात्मक रहा। फिलहाल दोनों पक्ष प्रस्तावित समझौते के विभिन्न पहलुओं पर मतभेद दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि हाल के महीनों में बढ़ी हिंसा और तनाव को कम किया जा सके।

ईरान युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज से गुजरा जापान का पहला तेल टैंकर, आइची प्रांत पहुंचा

टोक्यो (जापान)। जापान का एक तेल टैंकर (जहाज) सोमवार को सुरक्षित आइची प्रांत पहुंच गया। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाला जापान का यह पहला टैंकर है। इस युद्ध के कारण ऊर्जा के इस अहम रास्ते से होने वाला आवागमन काफी हद तक बाधित है। यह टैंकर प्रमुख रिफाइनर कंपनी 'इडेमित्सु कोसान कंपनी' की एक इकाई का है। इस टैंकर में 20 लाख बैरल कच्चा तेल है। यह टैंकर देश के मध्य क्षेत्र में स्थित आइची प्रांत पहुंचा है। यह मात्रा जापान की दैनिक घरेलू मांग का लगभग 80 प्रतिशत है। जापान टुडे और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार टैंकर का चालक दल पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस दल में तीन जापानी नागरिक भी शामिल हैं। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस जहाज का जापान पहुंचना ऊर्जा की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिहाज से एक सुखद समाचार है। उन्होंने कहा कि जापान ने ईरान से आग्रह किया था कि वह सभी देशों के जहाजों के लिए इस जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध मार्ग सुनिश्चित करे। सरकार के शीर्ष प्रवक्ता किहारा ने कहा कि फारस की खाड़ी में अभी भी जापान के 39 जहाज फंसे हुए हैं। इनमें से एक जहाज पर जापान का चालक दल भी मौजूद है। उन्होंने कहा, हम लगातार सभी कूटनीतिक प्रयास करते रहेंगे और आपसी तालमेल सुनिश्चित करेंगे ताकि सभी जहाज जल्द से जल्द इस जलडमरूमध्य से गुजर सकें।

नेपाल के पीएम बालेन्द्र शाह ने यूरोपीय यूनियन देशों के राजदूतों के साथ बैठक में की विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने काठमांडू और यूरोपीय संघ (ईयू) से संबद्ध देशों के आवासीय एवं गैर-आवासीय राजदूतों तथा मिशन प्रमुखों के साथ संयुक्त बैठक की। बैठक के दौरान यूरोपीय देशों के प्रतिनिधियों के साथ कूटनीतिक और द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय में यूरोपीय यूनियन सदस्य देशों के आवासीय और गैर-आवासीय राजदूतों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि उनकी सरकार नेपाली नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नया होने का अर्थ यह नहीं है कि हम पूरी तरह अतीत से अलग हो गए हैं। हम लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, ताकि नेपाल की नीतिगत दिशा स्पष्ट, स्थिर और पूर्वानुमान योग्य बनी रहे।

अमेरिका की कागज मिल में केमिकल टैंक फटा, कई लोगों की मौत

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका की एक कागज (पेपर) और पल्प मिल में केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। मिल परिसर में लगभग 10 लोग गंभीर स्थित में मिले हैं। यह लोग केमिकल की चपेट में आने से झुलस गए। मिल प्रबंधन ने कहा है कि कई कर्मचारी लापता हैं। सरकारी अधिकारियों और प्रबंधन ने इस बात की पुष्टि की कि मंगलवार सुबह हुए इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, यह मिल (निप्पॉन डायनावावे पैकेजिंग कंपनी) अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में नहीं, बल्कि देश के पश्चिमोत्तर प्रांत वाशिंगटन के लॉन्गव्यू में स्थित है। अधिकारियों ने साफ किया है कि इस घटना से

आसपास के नागरिकों को तत्काल कोई खतरा नहीं है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि उन्हें इस घटना की सूचना मंगलवार सुबह करीब 7:15 बजे मिली। बताया गया कि मिल में 'व्हाइट लिकर' से भरा एक टैंक फट गया है। लॉन्गव्यू फायर बटालियन चीफ माइक गोरसच ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, अब हालात स्थिर हैं। अभी बचाव कार्य चल रहा है। गोरसच के साथ मौजूद काउलिट्ज 2 फायर एंड रेस्क्यू के चीफ स्कॉट गोल्डस्टीन ने बताया कि मृतकों की संख्या का अंदाजा लगा पाना अभी मुश्किल है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में यह बताने से मना कर दिया कि कितने लोग लापता हैं। गोरसच के मुताबिक, राहत और बचाव कार्य के दौरान फिसलने से एक दमकलकर्मी घायल हो गया। ओरेगन में पोर्टलैंड फायर एंड रेस्क्यू के प्रवक्ता रिक ग्रेव्स ने बताया कि जिन लोगों की हालत गंभीर है, उनका इलाज आसपास के चिकित्सा केंद्रों में किया जा रहा है। कुछ लोगों को बर्न सेंटर में भी दाखिल कराया गया है। निप्पॉन डायनावावे पैकेजिंग कंपनी की यह इकाई कोलंबिया नदी के किनारे स्थित है। यहां कंपनी की पल्प और पेपर मिल के साथ-साथ लिक्विड पैकेजिंग प्लांट भी है। यहां टिशू पेपर, प्रिंटिंग पेपर, कप, प्लेट, कार्टन और अन्य सामान बनाने के लिए कच्चा माल तैयार किया जाता है। प्रांत के पर्यावरण विभाग के अनुसार, इस मिल में लगभग 1,000 लोग काम करते हैं।

कीव पर संभावित हमलों की रूसी योजना से संयुक्त राष्ट्र चिंतित, गुटेरेस ने तनाव बढ़ने पर जताई चिंता

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र/न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने रूस द्वारा यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा प्रतिष्ठानों और निर्णय लेने वाले केंद्रों पर संभावित हमले की घोषणा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पहले से ही गंभीर मानवीय असर झेल रहे संघर्ष में और अधिक तनाव बढ़ना शांति प्रयासों को और मुश्किल बना सकता है। एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि संघर्ष को और बढ़ाने वाले कदमों से बचना जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लंबे समय से जारी युद्ध ने आम नागरिकों पर भारी असर डाला है और स्थिति को और जटिल बनाने से लोगों की परेशानियां बढ़ सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने नागरिकों और नागरिक ढांचे पर होने वाले हमलों की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि चाहे घटना कहीं भी हो, आम लोगों और नागरिक संस्थानों को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में शांति की दिशा में आगे बढ़ने और संघर्ष को नियंत्रित करने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है, ताकि प्रभावित लोगों की पीड़ा को कम किया जा सके। यह बयान ऐसे समय आया है जब रूस ने कीव में कुछ प्रमुख लक्ष्यों पर हमले की योजना का संकेत दिया है। इससे पहले यूक्रेन के स्टारोबिल्स्क क्षेत्र में एक शैक्षणिक परिसर और छात्रावास पर ड्रोन हमले की रिपोर्ट सामने आई थी। यह इलाका वर्तमान में रूसी नियंत्रण में है।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों की ढाल नहीं बनेंगे अब खाड़ी देश : मोजतबा खामेनेई

एजेंसी

तेहरान । ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने हज की अहमियत के साथ ही ईरान विरोधी ताकतों को सचेत रहने की चेतावनी दी है। मंगलवार सुबह जारी किए गए उनके संदेश में ईरान और अन्य मुस्लिम देशों के संघर्ष का भी जिक्र है। बाद में खामेनेई के कार्यालय ने इसे एक्स पर पोस्ट किया। जिसमें कहा गया, 'समय का पहिया पीछे नहीं घूमता। खाड़ी देशों की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी और अमेरिका को अब इस क्षेत्र में साजिशें रचने और ठिकाने बनाने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं मिलेगी।' सुप्रीम लीडर ने मुस्लिम जगत से अपील की कि वे हज को अमेरिका और इजरायल के खिलाफ वैश्विक विरोध का मौका बनाएं। इसके साथ ही सर्वोच्च नेता ने सभी इस्लामी देशों से एकजुट होकर 'नई इस्लामिक सभ्यता' बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने ईरानी जायरीनों से कहा कि वे 'थोपे गए तीसरे युद्ध' की जीत की कहानी अन्य मुस्लिम भाई-बहनों को सुनाएं। साथ ही फिलिस्तीन और अल-अक्सा मस्जिद की मुक्ति साथ ही अमेरिका के खिलाफ अंतिम जीत के लिए प्रार्थना करें। ' शांति का संदेश देते हुए उन्होंने 'सुप्रीम पावर' का नाम जपते रहने की सलाह दी। उनके मुताबिक उनका नाम इंसानों को शैतान और उसके सहायकों की बेड़ियों से मुक्त होने, ईश्वरीय कर्तव्यों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करने और स्वार्थ तथा सांसारिक इच्छाओं से ऊपर उठकर दुनियावी और शाश्वत सुख प्राप्त करने का मार्ग दिखाता है।

ईरान के सुनहरे इतिहास को याद कर आगे कहा, 'इसी (ईश्वरीय) नाम के साथ 47 वर्ष पहले ईरान की मुस्लिम जनता उठ खड़ी हुई थी। इसी शक्ति ने अत्याचारी, तानाशाही और विदेशी शक्तियों पर निर्भर पहलवी शासन को गिरा दिया, अमेरिका के प्रभाव को खत्म किया और जायोनी प्रभाव को पूरी तरह खत्म कर दिया। ' उन्होंने कहा कि जब सद्दाम के बाथवादी शासन ने ईरान पर हमला किया, तब भी मुजाहिदीनों और युवाओं ने आठ वर्ष के 'पवित्र रक्षा युद्ध' में प्रतिरोध का इतिहास रचा और विश्व शक्तियों के समर्थन के बावजूद बाथवादी शासन को पीछे हटने पर मजबूर किया। इस्लामी गणराज्य ईरान ने आर्थिक नाकेबंदी, तख्तापलट की साज़िशों, अन्यायपूर्ण प्रतिबंधों तथा राजनीतिक, प्रचारात्मक और आर्थिक हमलों के बावजूद वर्षों तक दृढ़ प्रतिरोध जारी रखा।बता दें कि अमेरिका ने ईरान पर सोमवार रात हमला किया।

ईरानी सांसद बोले, 'अमेरिका को भरोसा बनाने के लिए उठाने होंगे पांच कदम'

एजेंसी

तेहरान । ईरानी मजलिस (संसद) की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी का कहना है कि अगर अमेरिका को अपना भरोसा बनाना है तो उसे पांच शर्तों पर हामी भरनी होगी। सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी मे उनके हवाले से इसकी जानकारी दी गई। अजीजी की इन पांच शर्तों में संघर्ष पर पूर्ण विराम लगाने से लेकर दोबारा हमला न करने की गारंटी का उल्लेख है। अजीजी ने कहा, 'ईरान की मुख्य मांगों में लेबनान समेत सभी मोर्चों पर संघर्ष खत्म करना, दोबारा हमला न करने की गारंटी, नौसैनिक नाकेबंदी हटाना, होर्मुज पर ईरानी सिस्टम को स्वीकार करना, ऑयल प्रतिबंध हटाना और ईरान की जब्त की प्रॉपर्टी वापस करना शामिल है। ' उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और इजरायल संघर्ष जल्दी खत्म करना चाहते थे, लेकिन ईरान के जवाब के बाद उन्हें संघर्षविराम और बातचीत का रास्ता अपनाना पड़ा।

अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिका ये पांच शर्तें मानता है, तो आगे 30 और 60 दिनों की बातचीत के जरिए बाकी मुद्दों पर चर्चा मुमकिन है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है और दोनों देशों के बीच मतभेद सिर्फ अस्थायी नहीं बल्कि काफी गहरे हैं।

अजीजी का ये बयान अमेरिका की ओर से मंगलवार सुबह होर्मुज में ईरानी बोट्स पर किए हमले के बाद सामने आया है। मेहर न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी के हवाले से बताया कि उन्होंने भी जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया।

एक दिन पहले ही संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने भी कहा था कि ईरान दबाव और धमकियों के आगे कभी नहीं झुकेगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मिलिट्री वॉर में हमारी पॉलिसी आंख के बदले आंख थी और डिप्लोमेसी लड़ाई में भी जवाब उसी तरह दिया जाएगा। '

ऑस्ट्रेलिया में घटे बिजली के दाम, एक जुलाई से ज्यादातर घरों और छोटे कारोबारों को राहत

एजेंसी

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के ऊर्जा नियामक ने कहा है कि एक जुलाई से ज्यादातर घरों और छोटे कारोबारों के लिए बिजली की कीमतें कम हो जाएंगी। यह कमी बिजली सेक्टर में लागत घटने की वजह से हो रही है। ऑस्ट्रेलियन एनर्जी रेगुलेटर (एईआर) ने बताया कि 2026-27 के लिए उसका फाइनल डिफाल्ट मार्केट ऑफर (डीएमओ) तय हो गया है। इसके तहत न्यू साउथ वेल्स में घरेलू बिजली की कीमतें 3.4 प्रति?शत से पांच प्रति?शत तक कम होंगी। वहीं क्वींसलैंड में करीब 7.2 प्रति?शत की गिरावट देखने को मिलेगी। दूसरी तरफ साउथ ऑस्ट्रेलिया में थोड़ा बदलाव उल्टा होगा, जहां कीमतें लगभग 1.4 प्रति?शत बढ़ जाएंगी। छोटे व्यवसायों के लिए तीनों इलाकों में बिजली सस्ती होगी। एईआर ने कहा कि डीएमओ एक तरह का सुरक्षा विकल्प और एक बेंचमार्क कीमत है, जो उन लोगों के लिए होती है जो स्टैंडर्ड

बिजली प्लान पर हैं। हालांकि नॉर्दर्न टेरिटरी, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, तस्मानिया और क्वींसलैंड के कुछ ग्रामीण इलाके अलग-अलग कीमत प्रणाली के तहत आते हैं, फिर भी डीएमओ पूरे देश में बिजली की कीमतों का एक अहम संकेतक माना जाता है। क्लाइमेट चेंज और एनर्जी मंत्री क्रिस बोवेन ने कहा कि बिजली की कीमतों में यह गिरावट इस बात के साथ मेल खाती है कि ऑस्ट्रेलिया के मुख्य बिजली ग्रिड्स ने 2025 के आखिर में 50 प्रति?शत से ज्यादा बिजली नवीकरणीय ऊर्जा से बनानी शुरू कर दी है। इससे थोक बिजली की कीमतें नीचे आ रही हैं और इसका असर धीरे-धीरे बिलों पर भी दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि ज्यादा नवीकरणीय ऊर्जा और स्टोरेज सिस्टम के आने से कोयले पर निर्भरता कम हो रही है, जिससे बिजली सस्ती होने का दबाव बन रहा है। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एईआर की चेयर क्लेयर सैवेज ने कहा कि थोक बिजली लागत में कमी, कीमतों में कम उतार-चढ़ाव और पवन ऊर्जा व बैटरी जैसी रिन्यूएबल सोर्स से ज्यादा उत्पादन होने की वजह से यह गिरावट आई है। उन्होंने यह भी कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष की अनिश्चितता के बावजूद थोक बिजली की कीमतें कम हुई हैं। नियामक ने एक नया 'सोलर शेयरर ऑफर' भी घोषित किया है। इसके तहत बिजली कंपनियों को ऐसे प्लान देने होंगे, जिनमें स्मार्ट मीटर वाले ग्राहकों को दिन के समय, खासकर दोपहर में तीन घंटे तक मुफ्त बिजली मिलेगी, ताकि लोग ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध ज्यादा सोलर ऊर्जा का बेहतर उपयोग कर सकें।

इजराइल के हमले में लेबनान में कम से कम 34 लोगों की मौत

एजेंसी

बेरूत (लेबनान)/तेल अवीव (इजराइल)। लेबनान में जारी सैन्य विराम के बीच इजराइल ने हिजबुल्लाह के गढ़ दक्षिणी लेबनान में हवाई और जमीनी हमले तेज कर दिए हैं। इन हमलों में कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। इस बीच इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी व पूर्वी लेबनान के कस्बों और गांवों को जबरदस्ती खाली कराना शुरू कर दिया है।

लेबनान के अखबार लोरिएंट टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल के आक्रामक रुख से दक्षिणी लेबनान में दहशत फैल गई है। लोग इजराइली थल सेना के तेज होते हमलों से बचने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। थल सेना हमले करते हुए आगे बढ़ रही है। आईडीएफ ने पूर्वी लेबनान के बेका क्षेत्र में मशगारा और उससे थोड़ा और उत्तर में, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण काराउन बांध पर हमला किया है। आईडीएफ ने नबातीह शहर को खाली कराने के लिए लोगों को खदेड़ना शुरू कर दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि इसका मकसद उत्तरी इजराइल में समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उधर, गोलाबारी के बीच फंसे लाखों लोगों के लिए संघर्ष-विराम का भ्रम पूरी तरह से टूट चुका है। इजराइली सेना का कहना है कि उत्तरी इजराइल में हवाई हमले की आशंका के मद्देनजर कई इलाकों में सायरन बज रहे हैं। इस बीच हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान और उत्तरी इजराइल में इजरायली सैन्य ठिकानों पर किए गए 22 हमलों की जिम्मेदारी ली है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सोमवार शाम बेका घाटी के मशघारा गांव में एक इमारत पर हुए इजराइली हमले में कम से कम 11 लोग मारे गए।

बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी, अब तक 555 बच्चों की मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में खसरे और इससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में 10 और बच्चों की मौत दर्ज की गई, जिससे 15 मार्च 2026 से अब तक कुल मौतों की संख्या 555 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएचएस) की ओर से इनमें से एक मौत की पुष्टि खसरे की वजह से की गई है, जबकि बाकी नौ मामलों को संदिग्ध माना गया है। ढाका डिवीजन में संदिग्ध मौतों की संख्या सबसे अधिक रही है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 1,083 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 66,023 तक पहुंच गई है। इसी अवधि में 53 नए पुष्टि किए गए मामले भी दर्ज हुए, जिसके बाद कुल पुष्टि मामलों की संख्या 8,772 हो गई है। 15 मार्च

से अब तक 52,530 संदिग्ध मरीजों (बच्चों) को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 48,800 ठीक होकर घर लौट चुके हैं। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में देशव्यापी आपातकालीन खसरा-रूबेला टीकाकरण अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत 6 महीने से 5 साल तक के लगभग 18 मिलियन बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डब्ल्यूएचओ, यूनीसेफ और टीका और प्रतिरक्षा के लिए गठित वैश्विक गठबंधन (जीएवीआई-गावी) के सहयोग से चलाया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री सरदार मोहम्मद सखावत हुसैन ने कहा कि टीकाकरण अभियान के असर से आने वाले कुछ हफ्तों में स्थिति नियंत्रण में आने की उम्मीद है और मरीजों की संख्या में गिरावट आएगी।

हाल ही में यूनिसेफ ने दावा किया कि अंतरिम सरकार के दौर में उन्होंने बार-बार चेताया था कि अगर उचित कदम नहीं उठाए गए तो परिणाम भयावह हो सकते हैं।

प्रेस वार्ता में बांग्लादेश में यूनिसेफ की प्रतिनिधि राणा फ्लावर्स के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्रालय को पांच से छह पत्र भेजे थे और अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान 10 बैठकों में भी यह मामला उठाया गया था। 2024 से ही सरकार को आगाह किया गया कि वैक्सीन की कमी बड़े स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकती है, लेकिन जरूरी कदम नहीं उठाए गए।

साउथ वजीरिस्तान में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं बाधित, सड़क पर उतरे लोग

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के अपर साउथ वजीरिस्तान जिले के सरवेकी और बरवंद इलाकों में लोग मोबाइल नेटवर्क सिग्नल और इंटरनेट सेवाओं के ठीक से न काम करने से परेशान हैं। कई दिनों से दिक्कत झेल रही अवाम ने संचार सुविधाओं को बहाल करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सोमवार को हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय आदिवासी, युवा और व्यापारी शामिल हुए। उन्होंने लंबे समय से मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी बंद रहने पर चिंता जताई। सभी का कहना था कि इससे उनके दैनिक जीवन और जरूरी सार्वजनिक सेवाओं पर गंभीर असर पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिछले 10 दिनों से इलाके में मोबाइल फोन सिग्नल और इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं, जिससे लोगों को देश और विदेश में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से भी बात करने में परेशानी हो रही है, खासकर ईद-उल-अजहा से पहले। उन्होंने शिकायत की कि इस बंदी से व्यापार, शिक्षा और आपातकालीन संचार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई की सामग्री और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं मिल पा रही है, जबकि व्यापारी इंटरनेट आधारित लेन-देन नहीं कर पा रहे हैं और इससे उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, मरीजों और आपात स्थिति में जरूरतमंद लोगों को भी परेशानी हो रही है क्योंकि वे अस्पतालों, रेस्क्यू सेवाओं या रिश्तेदारों से समय पर संपर्क नहीं कर पा रहे हैं।

डॉन ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि स्वारोगा अहमदवाम टावर, जो इस क्षेत्र में चल रहे सभी तीन मोबाइल टावरों का मुख्य लिंक है, में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं बाधित हो गईं। पिछले सप्ताह पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग जिले में बलूचिस्तान विश्वविद्यालय के सब-कैंपस के छात्रों ने प्रधानमंत्री युथ लैपटॉप योजना के तहत लैपटॉप वितरण में देरी और क्षेत्र में लंबे समय से इंटरनेट बंदी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, बड़ी संख्या में छात्र मस्तुंग के डिग्री कॉलेज के बाहर जमा हुए और राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। छात्रों ने कहा कि सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद उन्हें कई महीनों से लैपटॉप नहीं मिले हैं और सरकार देरी कर रही है।

नेपाल संसद में सत्तापक्ष के सांसद की टिप्पणी से नाराज विपक्षी सांसदों का हंगामा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की संसद के प्रतिनिधि सभा में उस समय तनाव बढ़ गया, जब सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के सांसद जगदीश खरेल ने संसद में विपक्षी दलों के अवरोध को 'ड्रामा' करार दिया। पर्यटन सम्बन्धी विधेयक पर चर्चा के दौरान खरेल ने विपक्षी दलों पर दशकों से संसद में अवरोध पैदा करने का आरोप लगाया। संसद की बैठकों के बार-बार स्थगित होने के बावजूद सरकार के आठ अध्यादेशों का बचाव करते हुए खरेल ने कहा कि संसद को अवरोध का मंच नहीं बनाया जाना चाहिए। खरेल ने कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री की खोज करते-करते संसद को नाटक का मंच बना चुका है। उनके इस बयान पर विपक्षी सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई। उनकी टिप्पणी के बाद विपक्षी दल के सांसद नरेंद्र करूंग गुस्से में अपनी सीट से उठकर सदन के आगे पहुंचे और विरोध में जोर-जोर से बोलने लगे।स्थिति तनावपूर्ण होने पर एक अन्य विपक्षी सांसद बसंत थापा ने हस्तक्षेप किया और नाराज सांसद को वापस उनकी सीट तक ले गए।

भारत-इजरायल साझेदारी साझा मूल्यों पर आधारित है : इजरायली राजदूत

एजेंसी

यरुशलम। भारत-इजरायल के बीच खास और अनोखे संबंध पर जोर देते हुए, भारत में इजरायल के राजदूत रियूवेन अजार ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी छह मुख्य मूल्यों पर आधारित है। इनमें सभ्यतागत लचीलापन, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, लोकतांत्रिक नियम, इनोवेशन, धार्मिक सहनशीलता और सबको साथ लेकर चलने वाला विकास शामिल हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो मैसेज में, अजार ने कहा, 'इजरायल और भारत के बीच का संबंध बहुत खास और अनोखा है। जब मैंने इसके बारे में सोचा, तो मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि हमारे इतने शानदार संबंध का कारण छह मुख्य मूल्य हैं।' उन्होंने कहा, पहला है सभ्यता की मजबूती और राष्ट्रीय पुनरुत्थान।

उन्होंने आगे कहा, 'सदियों से, हमारी सभ्यताओं पर विदेशी ताकतों ने हमला किया, हमारी पहचान को निशाना बनाया गया और पूरे इतिहास में, हमारी पहचान छीनने की कोशिश की गई। लेकिन एक हजार साल से भी ज्यादा समय तक हमें जिस मुश्किल से गुजरना पड़ा, उसके बावजूद हम बच गए; हमारी पहचान बच गई और यही बात हम सब में एक जैसी है। हम सभी आधुनिक देशों में हैं, जो अपनी पहचान, व्यक्तिगत और राष्ट्रीय, दोनों को फिर से जिंदा कर रहे हैं। '

अजार ने कहा कि दोनों देश दुनिया भर में कट्टरपंथ की बढ़ती लहर का सामना कर रहे हैं, खासकर कट्टरपंथी इस्लाम का। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग का दूसरा आधार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई है। हम दुनिया भर में कट्टरपंथ की लहर का सामना कर रहे हैं, खासकर कट्टरपंथी इस्लाम से आ रही है, जो हमारे देश और हमारे देश के अस्तित्व के लिए खतरा है। और हमने उस खतरे से निपटने के लिए जरूरी तरीके बनाने के लिए दशकों से साथ मिलकर काम किया है।

भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बताते हुए, अजार ने जोर दिया कि तीसरा फैक्टर साझा लोकतांत्रिक मूल्य हैं। उन्होंने कहा कि बोलने की आजादी और उद्यमिता की आजादी दोनों सिस्टम में मौजूद एक आजाद भावना को दिखाती है और संबंध को और मजबूत करती है।

उन्होंने इस साझेदारी के चौथे सिद्धांत पर जोर दिया कि इनोवेशन और कॉम्पिटिटिवनेस है क्योंकि बेहतर जीवन स्तर पाने के लिए न सिर्फ आजादी बल्कि इनोवेशन और दुनिया को बेहतर बनाने की कोशिशों में सफलता भी जरूरी है।अजार ने कहा, 'इजरायल और भारत इनोवेशन के सोर्स रहे हैं। और हम मिलकर एक ज्यादा कॉम्पिटिटिव माहौल बनाने के लिए काम कर रहे हैं जिससे हम ज्यादा मजबूत और खुशहाल बन सकें। ' लंबे समय से चली आ रही साझेदारी के पांचवें चरण के तहत धार्मिक सहिष्णुता और आध्यात्मिक विरासत पर जोर देते हुए उन्होंने स्वीकार्यता और साथ मिलकर रहने की साझा मूल्यों को रेखांकित किया। साथ ही कहा कि भारत में यहूदी विरोध (एंटी-सेमिटिज्म) का कोई इतिहास नहीं रहा है। अजार ने कहा, 'हम पुरानी सभ्यताएं हैं, और हमारे यहां दूसरों को अपनाने की बहुत सुंदर परंपरा है। यहूदियों ने हजारों सालों से भारत में बहुत आराम महसूस किया है। इस देश में कभी भी यहूदी-विरोधी भावना नहीं रही। ' इजरायली राजदूत ने कहा कि लगातार लेकिन सबको साथ लेकर चलने वाला विकास ही आखिरी मुख्य मूल्य है। दोनों देश यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि जो लोग सुविधाओं से वंचित हैं, जिनके पास मौके नहीं हैं या जो शारीरिक या मानसिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उन्हें अर्थव्यवस्था में शामिल किया जाए।अजार ने कहा कि इजरायल ये मूल्य केवल भारत के साथ साझा करता है। अब, जब हम साथ काम करते हैं तो उन मूल्यों को बढ़ावा देने पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

page 1 and 8 may 28_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/27/2026 11:48 PM Page 2

आलू के बीज का उत्पादन

आलू की फसल में बीज बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि कुल उत्पादन लागत का लगभग आधा बजट इसी पर खर्च करना पड़ता है । बीज अगर अच्छा व स्वस्थ नहीं होता है तो उत्पादन के अन्य कारकों का कितना भी प्रबंधन कर लिया जाये, परन्तु अच्छी पैदावार प्राप्त नहीं होती ।

अत हमेशा उच्च गुणवत्ता वाले बीज का ही प्रयोग किया जाना चाहिए । बीज की गुणवत्ता में और आगे सुधार लाने के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि प्रारम्भिक बीज स्टॉक का गुणनबिना खेत में ले जाये कम समय में ज्यादा से ज्यादा संख्या में किया जाये ।

अगर प्रारम्भिक बीज स्टॉक का सीधे खेत में गुणन किया जाता है तो उसकी गुणवत्ता को हम एक सीमा तक ही सुरक्षित रख पाते हैं क्योंकि बहुत सारे कारकों को हमें संरक्षित वातावरण में नियंत्रित करना पड़ता है । अगर इन कारकों को कारगर ढंग से नियंत्रित नहीं किया गया तो बीज की गुणवत्ता प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है ।

आधुनिक तकनीक का प्रयोग ऐसे में अहम किरदार अदा करता है । इस विधि में आलू बीज की गुणवत्ता को अधिक कारगर एवं अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है । इस तकनीक से प्रारम्भिक चरण प्रयोगशाला में तथा उसके बाद का गुणन चक्र नेट हाउस में सम्पन्न होता है, जिसके कारण फसल सुरक्षित रहती है ।

बीमारी फैलाने वाले वाहक कीट (वैक्टर) भी फसल के सम्पर्क में नहीं आ पाते हैं, जिससे आगे बीमारी का प्रसार नहीं हो पाता है । इन्हीं सब बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान ने पारंपरिक बीज गुणन पर निर्भरता कम करते हुए आधुनिक विधि से आलू बीज उत्पादन को बढ़ावा दिया है और परिणामस्वरूप आज इन विधियों को अपनाकर सफलतापूर्वक स्वस्थ एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीज पैदा किये जा रहे हैं ।

आधुनिक विधि से बीज तीन प्रणालियों द्वारा पैदा किया जाता है-

1. सूक्ष्म पौध आधारित बीज उत्पादन प्रणाली
2. सूक्ष्म कंद आधारित बीज उत्पादन प्रणाली
3. ऐरोपॉनिक आधारित बीज उत्पादन प्रणाली

इन तीनों प्रणालियों के लिए सबसे पहले स्वस्थ मातृ पौध तैयार करना होता है । इसके लिए फिर इनका अलग-अलग ढंग से बीज कन्द पैदा करने में इस्तेमाल किया जाता है ।

इसके लिए शीर्ष मेरिस्टेम प्रवर्धन विधि को ताप उपचार के साथ-साथ अपनाया जाता है । इस विधि को अपनाकर सफलतापूर्वक विषाणु मुक्त स्वस्थ मातृ पौध तैयार किया जाता है ।

इसके विभिन्न चरण निम्न प्रकार हैं

▶▶विषाणु मुक्त बनाना

सबसे पहले इन पौधों को विभिन्न विषाणुओं जैसे पोटेटों वाइरस एक्स, पोटेटो वाइरस एस, पोटेटो वाइरस वाई, पोटेटो वाइरस एम, पोटेटो वाइरस ए, पोटेटो लीफ रोल वाइरस, पोटेटो एपीकल लीफ कर्ल वाइरस एवं पोटेटो स्पिन्डल ट्यूबर वाइरॉयड के लिए परीक्षण किया जाता है । इसके लिए एलाइजा न्यूक्लिक एसिड स्पॉट हाइब्रिडाइजेशन पॉलीमरेज चेन रिएक्शन एवं इक्यूनो सॉरबेन्ट इलेक्ट्रान माइक्रोस्कापी विधि का प्रयोग करते हैं ।

इसके बाद अगर उपरोक्त परीक्षण में विषाणु मुक्त पौधा मिलता है तो उसको आगे उपयोग में लाते हैं अथवा सबसे कम विषाणुग्रसित पौधे की छाँट लेते हैं, जिसका शीर्ष मेरिस्टेम प्रवर्धन में उपयोग किया जाता है ।

इसके बाद पौधे के नोडल कटिंग अथवा अंकुर कटिंग से पात्रे तकनीक विधि द्वारा सूक्ष्म पौधे तैयार किया जाता है ।

स्टीरियो माइक्रोस्कोप की मदद से इन पौधे की शीर्षस्थ भाग से 0.2 से 0.3 मिलीमीटर हिस्सा काटकर उसे एम.एस. मीडिया पर परखनली के अन्दर उगाते हैं । इन पौधों की 25 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर 16 घंटे के प्रकाश अवधि में रखते हैं ।

▶▶परीक्षण एवं समूह गुणन

जब उपरोक्त पौधे 4 से 5 से.मी. बड़े हो जाते हैं तब उनका पुनः नोडल कटिंग करके नये मीडिया पर जीवाणुरहित दशा में उगाया जाता है ।

इन पौधों का पुन बीमारी के लिए परीक्षण किया जाता है । स्वस्थ पौधों को पुन प्रवर्धन के लिए रख लिया जाता है. जबकि बीमार एवं विषाणुग्रसित पौधों को अलग करके नष्ट कर दिया जाता है ।

इन विषाणयुक्त पौधों की ठीक 3 से 4 सप्ताह बाद पुन-प्रवर्धन करते रहते हैं ताकि स्वस्थ पौधों की संख्या बढ़ाई जा सके ।

इसके बाद इन पौधों को पीटमास से भरे गमले में लगाकर पीली हाउस अथवा नेट हाउस में उगाते हैं । आवश्यकतानुसार स्टेरिलाइज्ड पानी का सिंचाई जल के लिए उपयोग किया जाता है ।

जब पौधे उपयुक्त आकार के हो जाते हैं तब पुनः इनका परीक्षण विभिन्न विषाणु के लिए एलाइजा, न्यूक्लिक एसिड, स्पॉट हाईब्रिडाइजेशन पॉलीमरेज चेन रिएक्टान एवं इम्युनो सॉरबेन्ट इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी विधि द्वारा किया जाता है ।

इन परीक्षणों के बाद बीमार पौधों को अलग करके नष्ट कर दिया जाता है और स्वस्थ पौधों को आगे गुणन के लिए मातृ पौधे के रूप में इस्तेमाल किया जाता है ।

इस पद्धति में विषाणुयुक्त पौधों का उचित संख्या में पास तकनीक विधि से परखनली में जीवाणुरहित/विषाणुरहित दशा में गुणन कर दिया जाता है । जब पौधे बड़े हो जाते हैं, तब उनको आगे गुणन के लिए पुन-प्रयोग किया जाता है ।

▶▶पौधों का सख्तीकरण

(a) तीन से चार सप्ताह पुराने सूक्ष्म पौधों को प्रो ट्रे में स्थानांतरित करते हैं, जिसमें पहले से ही जीवाणुरहित किया हुआ पीट-मास भरा रहता है ।

(b) रोपण के बाद 0.2 प्रतिशत (2 मिली-लीटर पानी) मैन्कोजेब के घोल से प्रो ट्रे के पौधों के मीडिया को तर कर देते हैं ।

(c) इसके बाद प्रो ट्रे को अंधेरे में 48 घंटे के लिए रखते हैं तथा उसके बाद आगे के 2-3 दिन तक 16 घंटे के प्रकाश अवधि में रखते हैं । इसके बाद प्रो ट्रे को सख्तीकरण गृह में लाते हैं जहाँ तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहता है ।

▶▶लघु कन्द उत्पादन

(i) इन सख्त पौधों को पीट-माँस सहित पहले से तैयार नर्सरी क्यारियों में 10 से 15 से.मी. पौधे से पौधे तथा 30 से.मी. कतार से कतार की दूरी पर लगाते हैं । नर्सरी की क्यारियों में मिट्टी, बालू तथा सड़ी गोबर की खाद की मात्रा 2 :1 :1 के अनुपात में रखते हैं ।

गौपालक है भाग्यशाली किसान; पंचगव्य से होतीं उसकी अगणित मुश्किल आसान

आप सौभाग्यशाली हैं यदि आप गौपालक हैं, क्योंकि फिर आप के पास वह सब कुछ है जो आपकी फसलों और पेड़ पौधों के विकास और उच्च तथा गुणकारी उत्पादन में सहायक होते हैं। इनसे से आप अपने खेत की मिट्टी की उर्वरता निरंतर बनाए रखने में सफल हो सकते हैं। खेद है कि बहुत से किसान भाई बहनें इस जानकारी से अभी भी अनभिज्ञ हैं। इसीलिए यह लेख प्रस्तुत है। गौवंश से हमें गोबर, गौ-मूत्र, दूध, दही और घी प्राप्त होते हैं। इनको यदि विधि पूर्वक, कुछ अन्य संस्तुत द्रव्यों के साथ, उचित अनुपात में मिश्रित करके खमीर के लिए छोड़ दिया जाए तो यह एक शक्तिशाली जैविक कीटनाशक प्रमाणित होने के साथ ही विकास में बढ़ोत्तरी करने वाला उर्वरक बन जाता है। इस तैयार मिश्रण को पंच गव्य कहते है। (पंच+गव्य अर्थात् गौमूत्र, गोबर, दूध, दही, और घी के मिश्रण से बनाये जाने वाले पदार्थ को पंचगव्य कहा जाता है।) पंचगव्य एक जैविक खाद है जो प्राकृतिक सामग्री से बनी हुई जैविक विकास उत्तेजक औषधि सिद्ध हुआ है। यह पौधे के विकास को बढ़ाने के साथ ही मिट्टी के उपयोगी जीवाणुओं की सुरक्षा करता है। यह पंचामृत के समान मिश्रण है, जिसमे गोबर और गौ-मूत्र को शहद और चीनी के साथ बदल दिया जाता है। खमीर का उपयोग एक फेरमेंटर, केले, मूंगफली का केक (खली) और नारियल के पानी के रूप में किया जाता है।

प्राचीन समय में पंचगव्य का प्रयोग और उनकी प्रतिरक्षा क्षमता को बढ़ाता है। पंचगव्य का निर्माण देसी गाय के पांच उत्पादों से होता है क्योंकि देशी गाय के उत्पादों में पौधों के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्व पर्याप्त व संतुलित मात्रा में पाये जाते हैं

▶▶ भूमि में हवा व नमी को बनाये रखना।

▶▶ भूमि में सूक्ष्म जीवाणुओं की संख्या में बढ़ोतरी।

▶▶ फसल में रोग व कीट का प्रभाव कम करना।

▶▶ सरल एवं सस्ती तकनीक पर आधारित।

▶▶ फसल उत्पादन एवं उसकी गुणवत्ता में वृद्धि।

पंचगव्य बनाने के लिए आवश्यक सामग्री और उसकी मात्रा

▶▶ गाय का दूध- 2 लीटर

▶▶ गाय का दही- 2 लीटर

▶▶ गौ-मूत्र- 3 लीटर

▶▶ गाय का घी- आधा किलो

▶▶ गाय का ताजा गोबर- 5 किलो

▶▶ गन्ने का रस- 3 लीटर (अथवा 500 ग्राम गुड़ 3 लीटर पानी में)

क नारियल का पानी- 3 लीटर

क पके केले- 12

पंचगव्य के विस्तृत फायदे

पंचगव्य सब्जियों, फलों और दूसरे कृषि उत्पादों की आयु को बढ़ाता है।पंचगव्य बड़ी पत्तियों और घने छत्र को पैदा करता है। उपज को बढ़ता है (अधिकांश मामलों में, उपज 20 से 25 फीसदी तक बढ़ जाती है, कुछ मामलों में जैसे खीरा, उपज दोगुनी हो जाती है) और उत्पाद की गुणवत्ता को भी बढ़ाता है। यह फलों में मिठास

खेती की उर्वराशक्ति को बढ़ाने के साथ पौधों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता था। पंचगव्य एक अत्यधिक प्रभावी जैविक खाद है जो पौधों की वृद्धि एवं विकास में सहायक होता है और सुगंध के स्तर को बढ़ाता है। फसल को जल्दी तैयार कर देता है। (दो सप्ताह पहले फसल की कटाई की जा सकती है)।

यह पानी की जरूरत को 25 से 30 फीसदी तक कम कर देता है, जिससे यह सूखे की स्थिति में भी जिंदा रहता है।

इसके द्वारा बहुत ज्यादा और घनी जड़ें जो मिट्टी की गहराईयों को भेदते हुए चली जाती है उनका उपचार किया जा सकता है।

रसायनिक खाद के मुकाबले अगर आप खुद इसे तैयार करते हैं तो आपकी खेती का खर्च भी कम हो जाएगा।

व्यवसायिक खेती में अनुशंसित खाद और रसायन के छिड़काव के मुकाबले इसका इस्तेमाल बहुत ज्यादा फायदेमंद है।

जैविक खेती क्षेत्र की बढ़ोत्तरी में भी यह मदद करता है।

पंचगव्य बनाने की विधि

क प्रथम दिन 5 कि.ग्रा. गोबर व 1.5 लीटर गोमूत्र में 250 ग्राम देशी घी अच्छी तरह मिलाकर मटके या प्लास्टिक की टंकी में डाल दें।

क अगले तीन दिन तक इसे रोज हाथ से हिलायें। अब चौथे दिन सारी सामग्री को आपस में मिलाकर मटके में डाल दें व फिर से ढक्कन बंद कर दें।

▶▶ इस मिश्रण को 15 दिनों के लिए छाँव में रखना है और प्रतिदिन सुबह और शाम के समय अच्छी तरह लकड़ी से घोलना है

▶▶ इसके बाद जब इसका खमीर बन जाय और खुशबू आने लगे तो समझ लें कि पंचगव्य तैयार है। इसके विपरीत अगर खटास भरी बदबू आए तो हिलाने की प्रक्रिया एक सप्ताह और बढ़ा दें। इस तरह पंचगव्य तैयार होता है अब इसे 10 ली. पानी में 250 ग्रा. पंचगव्य मिलाकर किसी भी फसल में किसी भी समय उपयोग कर

कर सकते हैं।क इसको बनाने की लागत 100 रु. प्रति लीटर से अधिक नहीं आती है।

पंचगव्य एकत्रित करने की विधि-

पंचगव्य को छाया में और हर समय ढक कर रखा जाना चाहिए। इस मिश्रण की देखभाल करते रहना चाहिए ताकि कोई कीट मिश्रण में न गिरे और न ही इसमे कोई अंडे पैदा हो। इसे रोकने के लिए कंटेनर को हमेशा तार के जाल या प्लास्टिक ढक्कन के साथ बंद करके रखा जाना चाहिए।

उपयोग करने की विधि

क पंचगव्य का उपयोग अनाज व दाल (धान, गेहूँ, मंडुवा, राजमा आदि) तथा सब्जियों (शिमला मिर्च, टमाटर, गोभी व कन्द वाली) में किया जाता है।

▶▶ छिड़काव के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी आवश्यक है।

क बीज उपचार से लेकर फसल की कटाई के 25 दिन पहले तक 25 से 30 दिन के अंतराल में इसका उपयोग किया जा सकता है।

▶▶ प्रति बीघा 5 लीटर पंचगव्य 200 लीटर पानी में मिलाकर पौधों के तने के पास छिड़काव करें।

▶▶ बीज उपचार से लेकर फसल की कटाई के 25 दिन पहले तक 25 से 30 दिन के अंतराल में इसका उपयोग किया जा सकता है।

▶▶ प्रति बीघा 5 लीटर पंचगव्य 200 लीटर पानी में मिलाकर पौधों के तने के पास छिड़काव करें।

पंचगव्य को निम्नलिखित प्रकार से प्रयोग किया जा सकता है-

▶▶ बीज व जड़ उपचार द्वारा- पंचगव्य के 3% घोल में बीज या जड़ को 10-15 मिनट तक डूबोने के बाद 30 मिनट तक छाया में सुखाकर बुवाई करें। 300 मि.ली. पंचगव्य 60 किलो बीज या जड़ का उपचार करने के लिए पर्याप्त होता है।

▶▶ फल पेड़, पौधों और फसल पर छिड़काव करके- पंचगव्य के 3व्र घोल को फल पेड़-पौधों और फसल पर छिड़काव करके प्रयोग किया जा सकता है। 3 लीटर पंचगव्य एक एकड़ फसल के लिए पर्याप्त होता है। पौधशाला से पौधों को निकालकर घोल में डुबायें और रोपाई करें। पौधा रोपण या बुआई के पश्चात 15-25 दिन के अंतराल पर 3 बार लगातार छिड़काव करें।

▶▶ सिंचाई के पानी के साथ प्रवाहित करके- मिश्रण को सिंचाई के पानी के साथ 50 लीटर प्रति हेक्टेयर मिलाकर ड्रिप सिंचाई या प्रवाह सिंचाई के माध्यम द्वारा किया जा सकता है। 3 लीटर पंचगव्य एक एकड़ खेत के लिए पर्याप्त होता है। सिंचाई के लिए प्रति लीटर पंचगव्य की मात्रा 20 लीटर/एकड़ होनी चाहिए।

▶▶ बीज भंडारण के लिए- बीज को भंडारण करने से पहले पंचगव्य के 3% घोल में 10-15 मिनट के लिए डुबो कर रखें उसके बाद सुखाकर भंडारण करें। ऐसा करने से बीज को लगभग 360 दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

पंचगव्य के प्रयोग में सावधानियाँ

▶▶ पंचगव्य का उपयोग करते समय खेत में नमी का होना आवश्यक है।

▶▶ एक खेत का पानी दूसरे खेतों में नहीं जाना चाहिए।

क इसका छिड़काव सुबह 10 बजे से पहले तथा शाम 3 बजे के बाद करना चाहिए।

▶▶ पंचगव्य मिश्रण को हमेशा छायादार व ठण्डे स्थान पर रखना चाहिए।

▶▶ इसको बनाने के 6 माह तक इसका प्रयोग अधिक प्रभावशाली रहता है।

▶▶ टीन, स्टील व ताम्बा के बर्तन में इस मिश्रण को नहीं रखना चाहिए।

▶▶इसके साथ रासायनिक कीटनाशक व खाद का उपयोग नहीं करना चाहिए।

क पंचगव्य के उचित लाभ के लिए 15 दिन में एक बार प्रयोग करना चाहिए।

पंचगव्य का प्रभाव

▶▶ पंचगव्य का छिड़काव करने से पौधों के पत्ते आकार में हमेशा बड़े एवं अधिक विकसित होते हैं तथा यह प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया को तेज करता है जिससे पौधे की जैविक क्षमता बढ़ जाती है एवं उपापचय क्रियायें तेज हो जाती हैं।

▶▶ तना अधिक विकसित और मजबूत होता है जिससे परिपक्वता के समय पौधे पर जब फल लगते हैं तब पौधा फलों का वजन सहने में अधिकतम सक्षम होता है तथा शाखाएं भी अधिक विकसित तथा मजबूत होती हैं।

▶▶ जड़ें अधिक विकसित तथा घनी होती हैं तथा इसके अलावा वे एक लंबे समय के लिए ताजा एवं स्वस्थ रहती हैं। जड़ें मृदा में गहरी परतों में फैलकर वृद्धि करती हैं तथा आवश्यक पोषक तत्वों एवं पानी को अधिकतम मात्रा में अवशोषित कर लेती हैं जिससे पौधा स्वस्थ बना रहता है तथा पौधों में तेज हवा, अधिक वर्षा व सूखे की स्थति को सहने की एवं रोगों के प्रति लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है।

▶▶ पंचगव्य के प्रयोग से फसल की अच्छी उपज मिलती है। यह वातावरण की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक समान फसल की पैदावार देने में सहायता करता है। यह न केवल फसल की उपज को बढ़ाता है बल्कि अनाज, फल, फूल व सब्जियों का उत्पादन एक बेहतर रंग, स्वाद, पौष्टिकता तथा विषाक्त अवशेषों के बिना करता है जिससे फसल की बाजार में अधिक कीमत मिलती है। यह बहुत सस्ता एवं अधिक प्रभावकारी है जिससे कृषि में कम लागत पर अधिक लाभ मिलता है।

ग्रीनहाउस में शिमला मिर्च एवं टमाटर की उत्पादन तकनीक

उच्च गुणवत्ता वाली फल और सब्ज़ी जैसे शिमला मिर्च और टमाटर, खीरा, स्ट्रॉबेरी, इत्यादि को प्राकृतिक रूप से वायुसंवाहित शून्य ऊर्जा ग्रीनहाउस में उगाया जाए तो इसके बहुत से फायदे होते हैं जैसे फलों में आकार, रंग, साइज, स्वाद, सुगंध, पकने का समय इत्यादि का निश्चित एवं एक सामान होना जो ग्राहक की पसंद का और विपणन की दृष्टि से लाभदायक होता है। इस तरह की उत्पादन प्रणाली में यह ध्यान में रखना आवश्यक है कि अनुशंसित विधि, समय और इनपुट्स की मात्राओं को सटीक रूप से कार्यान्वित किया जाए। आज के अंक में हम ग्रीनहाउस/ पोलीहॉउस विधि द्वारा उत्पादित शिमला मिर्च एवं टमाटर की उन्नत खेती प्रौद्योगिकी के विषय में बात करेंगे ।

हमारे देश के अधिकतर ग्रामीण युवक जिनकी रुचि आज सामान्य खेती करने में नहीं है, उनको ग्रीनहाउस (पॉली हाउस) जैसी नवीनतम खेती की तरफ आकर्षित करना संभव है ।

आज देश के बडे शहरों और विदेशों में उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों की मुख्य मौसम से पहले व बेमौसमी बढती मांग को देखते हुए भी इस प्रकार की संरक्षित सब्जी उत्पादन तकनीकी को अपनाना हमारे सब्जी उत्पादकों के लिये आवश्यक हो जाता है, क्योंकि इस वैज्ञानिक तकनीकी दवारा सब्जियों वाली फसलों को वातावरण की प्रतिकूल परिस्थितियों और कीटों, विषाणु रोगों आदि से सुरक्षित रखकर उत्पादन करना संभव होता है और उसके अनेक फायदे है।

टमाटर की बेमौसमी खेती भी उन्ही में से एक है। इस लेख में ग्रीनहाउस में टमाटर की बेमौसमी खेती कैसे करें तथा उसकी वैज्ञानिक तकनीक क्या है, का विस्तृत उल्लेख है।

कई प्रकार के ग्रीनहाउस में से एक प्रमुख है, प्राकृतिक रूप से वायुसंवाहित शून्य ऊर्जा ग्रीनहाउस जिसको बनवाने पर लगभग रू 100 से 1000 प्रति वर्ग मीटर का खर्च आता है।

कम दाब सिंचाई प्रणाली जिसमें 1000 लीटर पानी की टंकी को 1.5 से 2.0 मीटर ऊँचे प्लेटफार्म पर रखा जाता है और यह 1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले ग्रीनहाउस की सिंचाई व फर्टीगेशन के लिये पूर्णतया सक्षम है।

ग्रीनहाउस में टमाटर उत्पादन के लिए केवल असीमित बढ़वार करने वाली किस्में जिनका फल भार लगभग 100 से 120 ग्राम हो और उनमें उच्च बाजार के लिए सभी महत्वपूर्ण गुण निहित हों, का चयन किया जाना चाहिये।

अभी तक प्रचलित ऐसी किस्मों में अर्का सौरभ, अंगूरलता, पंत बहार, अर्का रक्षक; के परिणाम सबसे अच्छे रहे हैं और ये किस्में पूर्णतया ग्रीनहाउस में लम्बी अवधि तक 9 से 10 माह तक उत्पादन के लिए उपयुक्त है।

चेरी टमाटर की विभिन्न किस्मों में पूसा चेरी टमाटर- 1 भी एक उपयुक्त व प्रमुख किस्म है।

ग्रीनहाउस में टमाटर उत्पादन के लिए पौध को संरक्षित क्षेत्रों में उगाया जाता है और यह सुनिश्चित किया जाता है, कि पौध पूर्णतया विषाणु रोग रहित व स्वस्थ हों।

पौध बीज बोने के लगभग 25 से 30 दिन बाद रोपाई योग्य हो जाती है। इस प्रकार 1000 वर्ग मीटर के ग्रीनहाउस में लगभग 2400 से 2600 पौधों को लगाया जाता है। हमेशा क्यारियां जमीन से 15 से 20 सेंटीमीटर उठी हुई बनाई जाती हैं और क्यारियों की लम्बाई पूर्णतया ग्रीनहाउस के डिजाइन पर निर्भर करती है, लेकिन यह ध्यान रखा जाता है कि ग्रीनहाउस में उपलब्ध स्थान का अधिकतम उपयोग फसल उत्पादन के लिये होना चाहिये।

पौधों को रोपाई के 20 से 25 दिन बाद क्यारियों के ऊपर लगभग 8 फीट की ऊँचाई पर क्यारियों की लम्बाई के समानान्तर लगे ओवरहेड तारों के साथ बंधी हुई रस्सियों के साथ लपेटा जाता है और साथ ही साथ पौधों में एक मुख्य शाखा छोड़कर समस्त अन्य शाखाओं को कटाई-छंटाई करके हटा दिया जाता है। कटाई-छंटाई की यह प्रक्रिया लगातार लगभग 15 से 25 दिन के अन्तराल पर आवश्यकतानुसार की जाती है।

यह ध्यान रखा जाता है, कि मुख्य शाखा पर आने वाले फूलों के गुच्छों को कटाई-छंटाई या पौधों को लपेटने के दौरान कोई नुकसान न पहुँचे और जब पौधे ओवरहेड तारों की ऊँचाई तक बढ़ जाते हैं तो उन्हें प्रत्येक कटाई-छंटाई के समय 1 से 2 फीट नीचे उतार दिया जाता है तथा इस प्रकार पौधे क्यारियों के चारों और ही एक प्रक्रिया के अनुसार स्थापित किये जाते हैं।

टमाटर एक स्वपरागित फसल होने के बाद भी ग्रीनहाउस में इसे सहायक परागण की आवश्यकता पड़ती है। इसका मुख्य कारण ग्रीनहाउस में हवा का बहाव नहीं होने के कारण परागकोष से परागकण नहीं निकलते है।

इसलिए ग्रीनहाउस में या तो ब्राईब्रेटर्स या एयर ब्लोवर्स का उपयोग कर परागण के कार्य में सहायता की जाती है। लेकिन इजराइल या कई अन्य पश्चिमी देशों में ग्रीनहाउस टमाटर की फसल में बम्बल मक्खियों को उपयोग में लाया जाता है, जो ग्रीनहाउस टमाटर उत्पादन के लिये सबसे सक्षम परागणकर्ता हैं।

लेकिन भारत में अधिक गति से हवा फेंकने वाले यन्त्र को सुबह के समय गर्मी के मौसम में 8 से 9 बजे तक और सर्दी के मौसम में 9 से 10 बजे तक मध्यम गति पर चलाकर परागण करने के सबसे अच्छे परिणाम मिलें हैं। इस प्रकार के यन्त्र बिजली चालित या बैटरी चालित दोनों प्रकार के होते हैं और एक व्यक्ति 1000 वर्ग मीटर के ग्रीनहाउस में लगभग एक से डेढ़ घन्टे में पूरा परागण का कार्य कर सकता है।

आमतौर पर फसल को खाद, उर्वरक व पानी देना, भूमि के प्रकार, मौसम एवं फसल की अवस्था पर निर्भर करता है। वैसे फसल को लगातार एक अंतराल पर पानी दिया जाता है और उसके साथ ही पूर्णतया पानी में घुलनशील उर्वरकों का घोल जो आमतौर पर नत्रजन, फास्फोरस तथा पोटाश को 5ञ5ञ अनुपात में मिलाकर विभिन्न अवस्थाओं पर विभिन्न मात्रा में दिया जाता है। रोपाई से फूल आने तक 4.0 से 5.0 घन मीटर पानी प्रति एक हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में एक बार में दिया जाता है। गर्मी के मौसम में सप्ताह में तीन बार और सर्दी के मौसम में सप्ताह में दो बार सिंचाई की जाती है। इसके साथ ही सिंचाई जल में उपरोक्त घोल की 1.0 लीटर मात्रा प्रति एक घन मीटर पानी मिलाकर दी जाती है। फूल से फल लगने तक पानी की मात्रा 5.0 से 6.0 घन मीटर और उर्वरकों का घोल 2.0 से 2.5 लीटर प्रति घन मीटर प्रति 1000 वर्ग मीटर की दर से सिंचाई जल के साथ ड्रिप प्रणाली के द्वारा दिया जाता है।